साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्ष: 2 • अंक: 13 • कठुआ, शनिवार 28 मार्च 2026 • पृष्ठ: 16 • मूल्य: 5 रूपए

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बजट सत्र के दौरान तीन विनियोग विधेयक पारित किए

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू कश्मीर विधानसभा ने चल रहे बजट सत्र के दौरान आज तीन महत्वपूर्ण विनियोग विधेयकों को पारित कर दिया, जिससे केंद्र शासित प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था को आवश्यक वैधानिक आधार मिल गया है। इन विधेयकों के पारित होने से सरकार को विभिन्न सेवाओं और योजनाओं के लिए धनराशि के उपयोग की स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

सदन में इन विधेयकों को प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन को सुचारु रूप से संचालित करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए इन विधेयकों का पारित होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इन

विनियोग विधेयकों के माध्यम से सरकार को संचित निधि से निर्धारित उद्देश्यों के लिए धन खर्च करने का अधिकार प्राप्त होता है, जिससे प्रशासनिक और विकासात्मक गतिविधियों में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती।

विधानसभा द्वारा पारित किए गए विधेयकों में वित्तीय वर्ष दो हजार पच्चीस छब्बीस की सेवाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करने वाले दो विधेयक शामिल हैं। इन विधेयकों के तहत सरकार को उन मदों में अतिरिक्त व्यय करने की अनुमति दी गई है, जहां पहले से स्वीकृत बजट पर्याप्त नहीं था। इससे विभिन्न विभागों को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे और योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। इसके अलावा सदन ने वित्तीय वर्ष दो हजार

■ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में तीन सदनीय समितियों का गठन किया गया है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू कश्मीर विधानसभा ने आज सदन की कार्यवाही के दौरान तीन महत्वपूर्ण समितियों के गठन के प्रस्ताव को पारित कर दिया। इस निर्णय को प्रशास. निक पारदर्शिता और वित्तीय जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इन समितियों के गठन से सरकारी कार्यों की निगरानी और मूल्यांकन की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी हो सकेगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सदन में प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि विधानसभा की कार्यप्रणाली और संचालन

नियमों के तहत इन समितियों का गठन आवश्यक है। उन्होंने नियम तीन सौ चवालीस, तीन सौ छियालिस और तीन सौ उनचास के अंतर्गत लोक लेखा समिति, अनुमान समिति और लोक उपक्रम समिति के गठन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन तीनों समितियों में

■ शेष पेज 2...

मुख्य न्यायाधीश का लद्दाख दौरा, न्यायिक ढांचे को सुदृढ़ करने पर जोर

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत शुक्रवार को अपने आधिकारिक दौरे पर लद्दाख पहुंचे। यह किसी भी मौजूदा मुख्य न्यायाधीश का केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का पहला दौरा माना जा रहा है, जिसे न्यायिक दृष्टि से अत्यंत

■ शेष पेज 2...

पश्चिम एशिया संकट : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती के प्रधानमंत्री के फैसले की सराहना की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच देश में आवश्यक आपूर्ति को बाधित होने से बचाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आम नागरिक. ों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इससे देशवासियों को राहत मिलेगी।

उपराज्यपाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है, जिसका प्रभाव

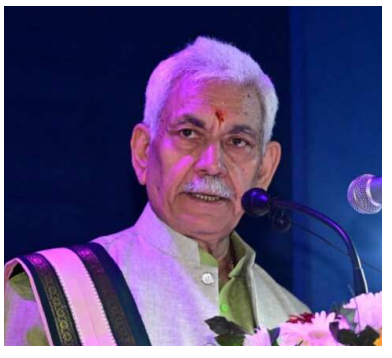

ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ सकता था, लेकिन समय रहते उठाए गए कदमा. ं से देश में घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में दस रुपये प्रति लीटर की कटौती की है, जिससे आम उपभोक्ताओं को महंगाई के दबाव से राहत मिलेगी। यह निर्णय खासतौर पर उन लोगों के लिए लाभकारी माना जा रहा है, जो बढ़ती ईंधन कीमता. ं के कारण आर्थिक दबाव का सामना कर रहे थे। इस कदम से परिवहन लागत में भी कमी आने की संभावना है, जिसका सकारात्मक असर अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

इसके साथ ही उपराज्यपाल ने यह भी बताया कि सरकार ने निर्यात शुल्क के माध्यम से घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। डीजल पर इक्कीस दशमलव पांच रुपये प्रति लीटर और विमानन टरबाइन ईंधन पर उनतीस दशमलव पांच रुपये प्रति लीटर का

■ शेष पेज 2...

RAMA MOTORS HERO

NEAR JAMMU AND KASHMIR BANK HARIA CHACK

CONTACT NUMBER :- 9596637998, 8716808058

NOTE

FINANCE AND INSURANCE FACILITY AVAILABLE

DISCOUNT AND OFFER ON EVER PURCHASE

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संसद ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संरक्षण और अधिकारों से संबंधित कानून में संशोधन करने वाला विधेयक पारित किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : संसद ने बुधवार को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संरक्षण और अधिकारों से संबंधित कानून में संशोधन करने वाला विधेयक पारित कर दिया। इस विधेयक में सामाजिक अभिविन्यास को कानून के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है और राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी है।

ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकार संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2019 में संशोधन करने वाले इस विधेयक में ऐसे लोगों को पहुँचाई गई हानि की गंभीरता के आधार पर श्रेणीबद्ध दंड का भी प्रावधान है। यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पारित हो चुका था। उच्च सदन में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकार संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चल रही बहस का जवाब देते हुए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रस्तावित विधेयक समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य केवल उन लोगों को संरक्षण प्रदान करना है जो शारीरिक बनावट के कारण भेदभाव का सामना करते हैं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस संशोधन से यह सुनिश्चित होगा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कानूनी मान्यता और संरक्षण मिलता रहे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जैविक कारणों से पीड़ित सभी लोगों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उनके अधिकारों की रक्षा की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि ऐसे व्यक्तियों को मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए ताकि वे निराशा में न जीएं।

शेष पेज 1 से.....

जम्मू-कश्मीर विधानसभा...

छब्बीस सत्ताईस के लिए संचित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करने वाला एक और महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित किया। यह विधेयक आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकारी खर्चों की रूपरेखा तय करने में सहायक होगा और विभिन्न क्षेत्रों में योजनाओं के संचालन के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। विधानसभा में विधेयकों पर चर्चा के दौरान सदस्यों ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और संसाधनों के समुचित उपयोग पर जोर दिया। कई सदस्यों ने सुझाव दिया कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं में प्रभावी रूप से किया जाए, ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार वित्तीय संसाधनों के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य के समग्र विकास को गति देना और विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। इसके लिए वित्तीय संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाएगा और प्राथमिकता उन योजनाओं को दी जाएगी, जो आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक हों।

उन्होंने यह भी कहा कि बजट प्रक्रिया केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह विकास की दिशा तय करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विनियोग विधेयकों के पारित होने से सरकार को अपने कार्यक्रमों और नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। इससे बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

विधानसभा द्वारा इन विधेयकों के पारित होने को प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल सरकारी कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी, बल्कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर विनियोग विधेयकों का पारित होना किसी भी सरकार के लिए अत्यंत आवश्यक होता है, क्योंकि इससे वित्तीय प्रबंधन में स्थिरता बनी रहती है।

समग्र रूप से देखा जाए तो जम्मू कश्मीर विधानसभा द्वारा तीन महत्वपूर्ण विनियोग विधेयकों का पारित होना केंद्र शासित प्रदेश की आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकार को अपने विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आम जनता को लाभ पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में...

ग्यारह ग्यारह सदस्यों का चयन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन समितियों का कार्यकाल इकतीस मार्च दो हजार सत्ताईस तक रहेगा। इस अवधि के दौरान ये समितियां विभिन्न विभागों और सरकारी उपक्रमों के कार्यों की समीक्षा करेंगी और अपनी रिपोर्ट सदन के समक्ष प्रस्तुत करेंगी। इससे सरकारी योजनाओं और खर्चों की निगरानी सुनिश्चित होगी और जनता के धन के सही उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। लोक लेखा समिति का मुख्य कार्य सरकारी खर्चों की जांच करना और यह सुनिश्चित करना होता है कि धनराशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार ही किया गया है। यह समिति नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्टों की भी समीक्षा करती है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सरकार को आवश्यक सुझाव देती है। इसी प्रकार अनुमान समिति विभिन्न विभागों के बजट प्रस्तावों का विश्लेषण करती है और यह देखती है कि संसाधनों का उपयोग किस प्रकार अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

लोक उपक्रम समिति का दायित्व सरकारी उपक्रमों के कार्यों और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना होता है। यह समिति यह सुनिश्चित करती है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पारदर्शी और कुशल तरीके से कार्य करें और उनके संचालन में किसी प्रकार की कमी या अनियमितता न हो। इन समितियों की रिपोर्टें शासन व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सदन में मतदान की प्रक्रिया पूरी कराई। सदन ने ध्वनि मत से इन प्रस्तावों को पारित कर दिया, जिससे तीनों समितियों के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस निर्णय के बाद अब संबंधित सदस्यों का चयन किया जाएगा, जो आगामी अवधि में इन समितियों के माध्यम से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

विधानसभा में इस निर्णय को लेकर व्यापक सहमति देखने को मिली और सदस्यों ने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक आवश्यक कदम बताया। उनका मानना है कि इन समितियों के माध्यम से सरकार के कार्यों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

विशेषज्ञों का भी मानना है कि विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं, जो सरकार और प्रशासन के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती हैं। इन समितियों के माध्यम से न केवल सरकारी कार्यों की समीक्षा होती है, बल्कि नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार के लिए सुझाव भी दिए जाते हैं।

समग्र रूप से देखा जाए तो जम्मू कश्मीर विधानसभा द्वारा तीन महत्वपूर्ण समितियों का गठन प्रशासनिक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। इससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा मिलेगा तथा आम जनता के हितों की बेहतर तरीके से रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

मुख्य न्यायाधीश का...

महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार इस दौरे का उद्देश्य लद्दाख जैसे दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा आम नागरिकों तक न्याय की पहुंच को आसान करना है। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्य न्यायाधीश लेह और कारगिल में नव निर्मित जिला न्यायालय भवनों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे सीमावर्ती क्षेत्रों का भी दौरा करेंगे और वहां तैनात सैनिकों से संवाद स्थापित करेंगे, जिससे न्यायपालिका और सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

लेह पहुंचने पर मुख्य न्यायाधीश का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण पाली सहित अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रशासन, न्यायपालिका, सेना और पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी स्वागत समारोह में शामिल हुए।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया गया, जिसमें लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। इसके बाद उन्होंने उपराज्यपाल, न्यायाधीशों और लेह के वरिष्ठ जिला अधिकारियों के साथ विस्तृत बातचीत की, जिसमें क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

इस दौरे के दौरान मुख्य न्यायाधीश लेह और कारगिल में नव निर्मित जिला न्यायालय परिसरों के साथ-साथ लद्दाख कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यालय का भी उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के साथ न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे लोगों को न्याय पाने में होने वाली कठिनाइयों को कम किया जा सके।

अधिकारियों के अनुसार इस दौरे के तहत एक व्यापक कानूनी सेवा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय लोगों के बीच कानूनी जागरूकता को बढ़ाना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना है। इस पहल से दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को न्यायिक प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मिलेगी और वे आसानी से न्याय प्राप्त कर सकेंगे।

बताया गया कि यह दौरा पूर्व में श्रीनगर में आयोजित उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन में हुई चर्चाओं के बाद किया जा रहा है, जिसमें सुरक्षा कर्मियों और आदिवासी समुदायों के लिए न्यायिक पहुंच को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था। इसी क्रम में मुख्य न्यायाधीश सैनिकों से भी बातचीत करेंगे, ताकि उनकी कानूनी समस्याओं और चिंताओं को समझकर उनका समाधान किया जा सके।

अधिकारियों का कहना है कि यह दौरा लद्दाख के न्यायिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे न केवल न्यायालयों की भौतिक संरचना में सुधार होगा, बल्कि न्यायिक सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में भी वृद्धि होगी। दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह कदम विशेष रूप से लाभकारी साबित होगा।

उन्होंने कहा कि यह पहल न्यायपालिका की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत देश के हर क्षेत्र में समान और प्रभावी न्याय सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। लद्दाख जैसे कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्र में न्यायिक सेवाओं को सुदृढ़ करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन इस दिशा में उठाए जा रहे कदम भविष्य में सकारात्मक परिणाम देने वाले हैं।

समग्र रूप से यह दौरा न्यायपालिका और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, न्यायिक बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने और आम नागरिकों तक न्याय की पहुंच को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट...

निर्यात शुल्क लगाया गया है। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के भीतर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध रहे और किसी प्रकार की कमी की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने कहा कि इस तरह के दूरदर्शी निर्णय से न केवल आपूर्ति श्रृंखला को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी, बल्कि कीमतों में अनियंत्रित वृद्धि को भी रोका जा सकेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम देश के हितों को सर्वोपरि रखने और आम जनता को राहत देने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उपराज्यपाल ने आगे कहा कि वैश्विक बाजारों में चाहे जितनी भी उथल पुथल क्यों न हो, भारत सरकार के सक्रिय और समयबद्ध हस्तक्षेप के कारण देश के नागरिक सुरक्षित हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार आगे भी इसी तरह के प्रभावी कदम उठाकर नागरिकों के हितों की रक्षा करती रहेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इस प्रकार के निर्णय अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता के कारण किसी भी प्रकार की आपूर्ति बाधा का सीधा असर आम जीवन पर पड़ता है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम न केवल तत्काल राहत प्रदान करते हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने में भी सहायक होते हैं।

समग्र रूप से देखा जाए तो यह निर्णय देश की आर्थिक स्थिरता और नागरिकों के जीवन स्तर को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपराज्यपाल की ओर से व्यक्त की गई प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि इस पहल को व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है और इससे आम जनता को राहत मिलने की उम्मीद है।

औकिब नबी ने आईपीएल में सफलता हासिल करने के साथ-साथ भारत के लिए खेलने के अपने अंतिम लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया है

सबका जम्मू कश्मीर

मुंबई : जम्मू–कश्मीर के स्टार खिलाड़ी औकिब नबी ने बारामूला स्थित अपने कमरे में बैठकर नीलामी के दिन आईपीएल में अपनी एंट्री का जश्न मना रही भारी भीड़ को देखा। लेकिन उनका कहना है कि उनका ष्अंतिम लक्ष्यष भारत के लिए खेलना और मैच जीतना है।

जम्मू–कश्मीर के अपने साथियों के साथ रणजी ट्रॉफी उठाने से बहुत पहले ही नबी ने लाल गेंद से अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा था। उनकी सटीक लाइन, लेंथ और अनुशासन राज्य की पहली जीत के अहम कारक थे – अब वह दिल्ली कैपिटल्स के साथ भी उन्हीं गुणों को दोहराने की उम्मीद करते हैं।

ष्यह पैसे की बात नहीं थी; मैं कम से कम एक बार खेलना चाहता था। अगर मुझे 30 लाख रुपये (बेस प्राइस) भी मिलते, तो भी मैं आईपीएल में खेलना चाहता था। जाहिर है, मुझे बहुत अच्छा लगा कि दिल्ली कैपिटल्स ने मुझे इतनी बड़ी रकम में खरीदा,ष नबी ने शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स द्वारा आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में पत्रकारों से कहा, जिन्हें 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया था।

"ऑक्शन वाले दिन मैं घर पर था क्योंकि अगले दिन विजय हजारे ट्रॉफी कैंप शुरू होना था। जब मेरा नाम घोषित हुआ, तो कई लोग भावुक हो गए क्योंकि इतने सालों की मेहनत के बाद ऐसा हो रहा था। अगले स्तर पर खेलना हर किसी का सपना था। अपने परिवार को भावुक देखकर मैं भी थोड़ा भावुक हो गया," उन्होंने कहा। नबी ने आगे बताया, "मैंने अपने दोस्तों या गांव वालों को नहीं बताया था कि मैं घर पर हूं।

बहुत शोर था। मैं एक कमरे में बंद था और मैंने किसी को नहीं बताया कि मैं घर पर हूं। जब मीडिया समेत लोग आने लगे, तो बहुत हलचल मच गई, मैं कमरे के अंदर से देख रहा था। हर कोई खुश था और नाच रहा था। यह देखकर अच्छा लगा।" पूर्व भारतीय कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने जम्मू–कश्मीर की जीत के बाद कहा था कि नबी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की राह पर हैं। नबी के लिए, एक सफल आईपीएल उस दिशा में एक और कदम होगा।

"आईपीएल बहुत महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह एक वैश्विक टूर्नामेंट है और इसे हर जगह देखा जा सकता है। यहां प्रतिस्पर्धा बहुत अच्छी है। हमारा चयन केवल घरेलू क्रिकेट के आधार पर होता है, अगर आप लाल गेंद से क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, और मुझे लगता है कि मैंने लाल गेंद से क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मैं चयन के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहा हूं। जो चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं हैं, उन पर मैं ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा हूं। मेरा पूरा ध्यान आईपीएल पर है और मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं," नबी ने कहा, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक उनकी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं से कोई बातचीत नहीं हुई है।

"जाहिर है, भारत के लिए खेलना और भारत को जीत दिलाना मेरा अंतिम लक्ष्य है। अगर मैं भारत के लिए खेलता हूं तो यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा, इसलिए मेरा मुख्य ध्यान इसी पर है। (लेकिन) अभी मैं आईपीएल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। देखते हैं आगे क्या होता है," उन्होंने कहा। नबी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनमें सफेद गेंद से क्रिकेट में भी सफल होने का कौशल है।

"मेरी ताकत नई गेंद को स्विंग कराना है और टी20 क्रिकेट में ज़रूरी सभी चीजें, जैसे यॉर्कर या धीमी गेंदें, मेरे पास हैं," नबी ने कहा। "मैं कोचों के साथ काम कर रहा हूं, लेकिन मैं अपनी ताकत से दूर नहीं हटूंगा, चीजों को सरल रखने की कोशिश करूंगा और दिल्ली को ट्रॉफी जीतने में मदद करने की कोशिश करूंगा।" 29 वर्षीय नबी ने माना कि उम्मीदों का दबाव तो होगा ही।

ईडी ने पीएमएलए के दूसरे मामले में अल फलाह ग्रुप के चेयरमैन को गिरफ्तार किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिल्ली में 45 करोड़ रुपये की जमीन के ष्धोखाधड़ीष से अधिग्रहण से जुड़े एक नए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को फिर से गिरफ्तार किया है।

61 वर्षीय व्यक्ति को पहली बार नवंबर 2025 में संघीय जांच एजेंसी द्वारा एक अलग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था, जो उनके शिक्षण संस्थानों की मान्यता और प्रमाणन को गलत तरीके से प्रस्तुत करके छात्रों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़ा था।

फरीदाबाद (हरियाणा) स्थित विश्वविद्यालय 10 नवंबर, 2025 को लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट से जुड़े एक श्व्हाइट–कॉलरश आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान जांच के दायरे में आया, जिसमें 15 लोग मारे गए थे। विश्वविद्यालय–सह–अस्पताल के डॉक्टरों में से एक, डॉ. उमर–उन–नबी पर इस मामले में आत्मघाती हमलावर होने का आरोप है।

उसी दिन विस्फोटक से भरी कार चलाते समय उनकी मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सिद्दीकी को नवीनतम मामले में 24 मार्च को तिहाड़ जेल से हिरासत में लिया गया था, जहां वह पिछले ईडी और दिल्ली पुलिस के मामले में न्यायिक हिरासत में है।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसे अगले दिन साकेत (दक्षिण दिल्ली) स्थित विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कार्यालय के समक्ष पेश किया गया और उसे 4 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया।

जांच में पता चला कि जमीन के धोखाधड़ीपूर्ण अधिग्रहण के लिए ष्जालीष दस्तावेज तैयार किए गए और उनका इस्तेमाल किया गया, और तरबिया एजुक.`शन फाउंडेशन के निदेशक और बहुसंख्यक शेयरधारक सिद्दीकी ने कुछ व्यक्तियों के साथ मिलकर इस जालसाजी को अंजाम दिया।

राष्ट्रीय राजधानी के मदनपुर खादर गांव में श्खसरा नंबर 792श में स्थित 1.14 एकड़ जमीन का मूल्य ईडी के अनुसार 45 करोड़ रुपये है।

एजेंसी ने बताया कि दस्तावेजों में जमीन की खरीद के लिए दी गई राशि 75 लाख रुपये थी। ईडी ने कहा कि पूरे धन के लेन–देन का पता लगाने और अन्य लाभार्थियों तथा उससे प्राप्त संपत्तियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

पहले मामले की जांच में एजेंसी ने आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय ने 2018 से 2025 के बीच 415.10 करोड़ रुपये जुटाए और छात्रों से एकत्र की गई धनराशि का निजी उपयोग के लिए दुरुपयोग किया गया।

सकीना इटू के अनुसार, एसएमजीएस अस्पताल में एमसीसी सुविधा से जम्मू क्षेत्र में नवजात शिशु और प्रसवकालीन चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू के एसएमजीएस अस्पताल में नवस्थापित 243 बिस्तरों वाली मातृ एवं शिशु देखभाल (एमसीसी) सुविधा ने जम्मू क्षेत्र में नवजात शिशु और प्रसवकालीन चिकित्सा सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किया है। इस महत्वपूर्ण सुविधा से नवजात शिशु देखभाल सुविधाओं और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि हुई है, साथ ही नियोजित सर्जरी के लिए प्रतीक्षा अवधि भी कम हुई है। यह बात स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक युद्धवीर सेठी के एसएमजीएस अस्पताल जम्मू से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कही। मंत्री ने बताया कि एसएमजीएस अस्पताल, जम्मू एक तृतीयक देखभाल अस्पताल है जो स्त्री रोग एवं प्रसूति, बाल रोग, ईएनटी और त्वचा रोग जैसी विशिष्टताओं में चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने आगे कहा कि यह अस्पताल जम्मू प्रांत के दूरदराज के अस्पतालों से विशेष उपचार के लिए भेजे गए गंभीर रूप से बीमार रोगियों का भी इलाज करता है, क्योंकि उन अस्पतालों में विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एमआरआई की आवश्यकता वाले रोगियों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, जम्मू भेजा जाता है, जहां यह सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने आवश्यक औपचारिकताओं के पूरा होने पर एक एमआरआई स्कैनर उपलब्ध कराने के लिए सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

उन्होंने आगे कहा कि एमआरआई स्कैनर उपलब्ध कराने के लिए आईओसीएल को जल्द ही एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। मानव संसाधन की स्थिति के संबंध में, मंत्री ने बताया कि स्वीकृत 1070 पदों में से 682 पद वर्तमान में भरे हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जम्मू–पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदा कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए, संकाय/डॉक्टरों/ पैरामेडिक्स को शैक्षणिक व्यवस्था और युक्तिकरण के आधार पर नियुक्त किया जा रहा है ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने कहा कि यह पहल जम्मू के एसएमजीएस अस्पताल में रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे व्यापक उपायों का हिस्सा है।

मंत्री ने सदन को आगे बताया कि जम्मू के एसएमजीएस अस्पताल में बहुस्तरीय कार पार्किंग सुविधा स्थापित करने की आवश्यकता को जम्मू नगर निगम और जम्मू स्मार्ट सिटी परियोजना के साथ पहले ही उठाया जा चुका है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोपोर में तीन घोषित अपराधियों की संपत्तियां जब्त कीं

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को सोपोर उप–जिले में आतंकी तंत्र के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत तीन घोषित अपरा.धियों की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। पुलिस के एक बयान के अनुसार, सोपोर पुलिस ने पुलिस स्टेशन पंजल्ला में दर्ज एफआईआर संख्या 02/2008 (ई एंड आईएमसीओ अधिनियम की धारा 2/3 के तहत) के संबंध में यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि राजस्व विभाग के सहयोग से नादिहाल में तीन आरोपियों के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही की गई, जो कई वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे थे और जिन्हें अदालत ने धारा 87 सीआरपीसी के तहत घोषित अपराधी घोषित किया था।

जब्त की गई संपत्तियों में रियाज अहमद लोन की 2 कनाल 16 मरला भूमि, एजाज अहमद लोन की 10 मरला भूमि और मुश्ताक अहमद शाह की 2 कनाल भूमि शामिल है। पुलिस ने बताया कि अदालत के आदेशों के बाद, राजस्व अभिलेखों और स्थानीय जांच के माध्यम से उचित सत्यापन के बाद धारा 88 सीआरपीसी के तहत कुर्की की कार्यवाही निष्पादित की गई। यह प्रक्रिया राजस्व अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहा.`ं की उपस्थिति में संपन्न हुई और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं।

पुलिस ने कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल फरार आरोपियों के खिलाफ कानून का शासन लागू करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संघ और अमरीका : जिन पे तकिया था, वही पत्ते हवा देने लगे!!

बादल सरोज

न तो इन्होने शेक्सपीयर को पढने का झंझट पाला हैं, न इन्हें क्लियोपेट्रा के बारे में ही कुछ मालूम है, वरना ताजे अमरीकी कारनामे पर जुलियस सीजर के अंदाज में हैरत जताते हुए आहत भाव से इतना तो कहते ही कि 'हे ब्रूटस तुम भी'!! क्योंकि हाल के दौर में न जाने क्या–क्या सहने, करने और गगनचुम्बी चाटुकारिता की पातालगामी मिसालें कायम करने के बाद भी कमबख्त अमरीका ने सीधे मर्म पर चोट की है।

ट्रम्प की रहनुमाई वाली संघीय सरकार के धार्मिक स्वतन्त्रता पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग — यूएस कमीशन ओन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम दृ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानि आरएसएस को लोगा. ं की धार्मिक स्वतन्त्रता के हनन और हिंसक कार्यवाहियों का जिम्मेदार मानते हुए इस पर प्रतिबन्ध लगाने, इससे जुड़े व्यक्तियों के अमरीका प्रवेश पर रोक लगाने तथा उनकी संपत्तियों को जब्त करने सहित 6 सिफारिशें की हैं। इसी मार्च में जारी इस रिपोर्ट में इस अमरीकी आयोग ने कई घटनाओं के उल्लेख के साथ भारत को चिंताजनक देशों की सूची में शामिल किया है और संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार से कहा है कि वह भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों तथा व्यापार के रिश्तों को तय करते समय इन बातों को आधार बनाए। आयोग ने हथियारों की आपूर्ति रोकने की तक की बात कही है। इस रिपोर्ट में आरएसएस के साथ खुफिया एजेंसी रॉ का भी नाम है दृ जिसके पीछे कनाडा में लगे आरोप हो सकते हैं।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, पिछले कुछ वर्षों से इस तरह के उल्लेख होते रहे हैं। इसी तरह की एक रिपोर्ट के आधार मौजूदा प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे, तब उनको 'अवांछित व्यक्ति' घोषित कर उनके अमरीका प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाया जा चुका है। इस तरह की रिपोर्ट्स को ऐन्वेई मानकर अनदेखा नहीं किया जा सकता, बाद में इन्ही को बहाने के रूप में इस्तेमाल किये जाने के ढेर उदाहरण मौजूद हैं।

वैसे अमरीका न तो दुनिया का दरोगा है, न सरपंच कि बाकी देशों को सर्टिफिकेट बांटता फिरे, मगर संघ और भाजपा के मामले में ऐसा इसलिए नहीं कहा जा सकता क्योंकि भारत में दृ शायद दुनिया में भी दृ ये अकेला ऐसा कुनबा है, जो अपने पड़ोसी देशों के बारे में अमरीकी आयोगों और एजेंसियों के इस तरह के एलानों को ईश्वरीय वचन मानकर फुदकते रहता है। इसलिए भी कि हाल के दौर में तो इन्होने अपने आपको अमरीका के साथ कुछ इस कदर नत्थी कर लिया है कि कई बार तो खुद अमरीकी भी संशय में पड़ जाते हैं कि वे अपने देश के प्रति ज्यादा वफादार हैं या कोई साढ़े तेरह हजार किलोमीटर दूर धरती के दूसरे कोने पर बैठे संघी और भाजपाई उनसे भी ज्यादा हैं।

2014 में सत्ता में आने के बाद साफ़–साफ़ नजर आने वाला एक यही काम तो हुआ है। कभी भरे गले से बराक ओबामा को अपना जिगरी बताया और उससे तू–तड़ाक के संबंधों का बखान खुद गा–गाकर सबको सुनाया। ट्रम्प के साथ तो रही सही दूरियां भी इस कदर नजदीकियां बन गयीं कि इधर हाउडी ट्रम्प, हिंदी में बोले तो 'कैसा है रे ट्रम्पवा', तो उधर हाउडी मोदी के तमाशे होने लगे। लगाव इतना उन्मुक्त हुआ कि सारी कूटनीतिक भद्रता की भद्रा उतारते हुए 'अब की बार ट्रम्प सरकार' का नारा बनकर अगले के चुनाव प्रचार तक जा पहुंचा। हालांकि अगले को इससे कोई ख़ास फ़ायदा नहीं हुआ दृ उस चुनाव में उसकी लुटिया डूब ही गयी। चार साल बाईडेन को रिझाते मनाते गुजरे, मगर ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद तो जैसे सारे तटबंध ही टूट गए।

उसके बाद जो–जो और जैसा–जैसा हुआ है और उससे भारत जैसे देश की जितनी भद्द पिटी है, उसकी इतिहास में कोई दूसरी मिसाल नहीं है। ओबामा को बराक बराक उवाचने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प को तुरंतई 'माय डिअर फ्रेंड डोलांड' कहकर ऊंची आसंदी पर विराज दिया और उसका जो सिला उनके दोस्त ने दिया, उसे देखकर 'हुए तुम दोस्त जिनके दुश्मन उसका आसमाँ क्यों हो' मिसरा याद आ गया।

श्माय डिअर फ्रेंड' ने पहला झटका तो शपथ ग्रहण समारोह में न बुलाकर दिया। उसके बाद बड़ी मानमनुहार और जुगाड़ करने के बाद जब मुलाक़ात के लिए पहुंचे, तो प्रेस कांफ्रेंस में लाइव कैमरों के सामने ही हड़काकर तत्काल नीतियाँ बदलने का हुकुम सुना दिया। मगर मजाल है कि इस पर मुंह से कोई बोल तक फूटा हो!मुलाक़ात करके वापस लौट आने के बाद भी किसी तरह की अप्रसन्नता या असहमति नहीं जताई गयी। मोदी संघ के प्रचारक, भाजपा के नेता या निजी हैसियत से नहीं गए थे। वे अमरीका के राष्ट्रपति के सामने 140 करोड़ नागरिकों के प्रधानमंत्री के नाते बैठे थे, जबकि ऐसे ही बर्ताब पर अमरीकी रहमोकरम पर जिंदा यूक्रेन के ज़ेलिंसकी तक ने ट्रम्प को खरी खरी सुना दी थीं, मगर जैसा कि खुद ट्रम्प ने बार बार कहा है, मोदी उन्हें खुश करने के जरिये ढूंढ रहे थे, सो नाराज कैसे करते। इसके बाद तो दुनिया के इस सबसे घिनौने राष्ट्रपति ने जैसे भारत को पंचिंग बैग ही बना लिया और अपमानों की अंतहीन झड़ी ही लगा दी और वह आज भी जारी है।

पहलगाम के बाद बजाय भारत का साथ देने के धमकी देकर युद्ध रुकवाने के दावे को तो उसने जैसे तकिया कलाम ही बना लिया। गिनने वाले बताते हैं कि बन्दा अब तक कोई एक सौ बार कह चुका है कि उसने फोन करके धमकाया और युद्ध रुक गया। असली संख्या इससे अधिक ही होगी। इतना ही नहीं, अपनी इस 'उपलब्धि' की बिना पर भाई ने खुद को नोबल देने की मांग भी खुद ही कर डाली। मजाल है जो हस्तिनापुर में बैठे मोदी या उनके किसी अदने अफसर ने मिमियाकर भी इसका खंडन किया हो। जले पर नमक छिडकने के लिए इसी माय डिअर फ्रेंड ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को दावतें देना शुरू कर दी रू उसके सेनाध्यक्ष को अपने एक प्रमुख राष्ट्रीय दिन के समारोह का मेहमाने खुसूसी बनाया, एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था का सर्वेसर्वा बना दिया। इस तरह एक बार फिर जान–बूझकर अंगूठा भी दिखाया, मुंह भी चिढ़ाया। मगर इधर से 'छोड़ेंगे सब मगर तेरा साथ ना छोड़ेंगे' का दोस्ती राग बजता रहा।

उसके बाद टैरिफ ब्लैकमैलिंग आयी, सरकार ब्लैकमेल हुई। व्यापार समझौता हुआ। बाद में ट्रम्प ने उसका एलान पहले ही कर दिया, जबकि पड़ोसी बांग्लादेश उससे कहीं बेहतर डील लेने में कामयाब हुआ।

रूस से तेल न खरीदने सहित और कितनी शर्तें किस तरह मानी हैं, यह अब सब जानते हैं।

एक समय जो भारत दुनिया के 118 गुटनिरपेक्ष देशों का सर्वमान्य नेता था, उसे इतना ज्यादा अमरीका अनुमति आश्रित बना दिया कि वह अपने हजारों वर्ष पुराने दोस्त देश के सर्वोच्च नेता की हत्या पर शोक भी नहीं जता पाया।

इतना ज्यादा झुकने के बाद भी अच्छा अभिनेता होने के कटाक्ष के सिवा कुछ नहीं मिला। यह मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी सिर्फ जुबान फिसल जाने का मामला नहीं था रू पहले ट्रम्प की सहयोगी और वित्त सलाहकार स्कॉट बेसेंट का कहना और उसके बाद अमरीकी राष्ट्रपति भवन की प्रवक्ता और प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट द्वारा इसका दोहराया जाना साबित करता है कि यह एक सम्प्रभु देश को निशाना बनाकर, उसके योजनाबद्ध मानमर्दन के सिलसिले का हिस्सा है।

ये कुछ उदाहरण इसलिए गिनाये गए हैं, ताकि समझा जा सके कि इधर से झुकने में कोई कसर न छोड़ने के बाद भी उधर से हैसियत दिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। जबकि उधर वाले जानते हैं कि ये बंदे जन्म–जन्म से वफादारी निबाहते रहे हैं। जब अमरीका नहीं था, तब इनके लिए अंग्रेज थे दृ भाई लोगों के लिए वे भी इतने ही दिल फरेब थे। अंग्रेज चले गए, मगर आदत नहीं छूटी। ट्रम्प की दोनों जीतों के लिए यज्ञ किये, हवन किये, पाठ किये, अनुष्ठान किये। ट्रम्प तो ट्रम्प, उसके जुड़वां बेंजामिन नेतन्याहू तक के लिए यही सब बार–बार किये। इतना सब कुछ करने के बाद भी 'हे ब्रूटस तुम भी' का दोहराया जाना बहुत बेइंसाफी है।

वह भी तब, जब आका के देश में अपनी अच्छे बच्चे की छवि बनाने और उनसे मेल–मुलाकात बढ़ाने के लिए आरएसएस ने 3 लाख 30 हजार डॉलर दृ आज की कीमत के हिसाब से कोई 3 करोड़ रूपये खर्च किये। अमेरिकी लॉबिंग फर्म स्क्वायर पैटन बोग्स (एसपीबी) और एक अन्य लॉबिंग फर्म, स्टेट स्ट्रीट स्ट्रैटेजीज (एसएसएस), जो वन+ स्ट्रैटेजीज के नाम से कारोबार करती है, को तीन किश्तों में फीस देकर काम पर लगाया। हासिल क्या हुआ? प्रतिबन्ध की सिफारिश और सम्पत्ति जब्त करने की सलाह!! और जैसी कि इन दिनों चुप्प रहने की परम्परा बन गयी है, इस बार भी उसी का निर्वाह किया।

धार्मिक स्वतन्त्रता पर अंतर्राष्ट्रीय आयोग की इस रिपोर्ट पर दृ इन पंक्तियों के लिखे जाने तक दृ न तो प्रधानमंत्री बोले, न किसी मंत्री ने मुंह खोला। और तो और, समालखा में अपनी सौंवी सालगिरह का जश्न मना रहे आरएसएस ने भी नहीं बोला है। एक अदने से अधिकारी भर ने बयान दिया है, वह भी इतना लिजलिजा है कि न लीपने का है न पोतने का। तू कौन, मैं खामखाँ कहकर अमेरिका को उसकी सीमा में रहने की हिदायत देने के बजाय अधिकारी ने अमेरिका में मंदिरों पर होने वाले हमला. ं, भारतीय समुदाय के लोगों पर हिंसा का हवाला दिया है। प्रतिक्रिया का यह तरीका एक तरह से अमरीकी आयोग के कहे को स्वीकार कर लेने जैसा है कि हम करते हैं तो क्या हुआ, आपके देश में भी तो ऐसा होता है। इस अधिकारी के जवाब में सिर्फ मंदिरों भर का उल्लेख भी तोहमत का कबूलनामा ही है।

असली दुविधा उन भा भा भाओं दृ भारत से भागे भारतवासियों दृ की है, जो मोदी की सभाओं में अबकी बार ट्रम्प सरकार के जैकारे लगा–लगाकर गला बिठाए हुए थे, जो दुनिया भर में आरएसएस की शाखाएं खोले हुए हैं और भर भर झोली डॉलर और पोंड्स, येन और मार्क इकट्ठा करके नागपुर भेजते रहते हैं। संघ की इस वैश्विक भुजा के संयोजक इसी अमरीका में रहने वाले सौमित्र गोखले हैं, ये श्रीमान भी अभी तक कुछ नहीं बोले हैं। इस सहित दुनिया भर में और जितनी भी शाखाएं हैं, उनके संयोजकों सहित सब के सब आरएसएस के प्रचारक हैं।

हालांकि अमरीका में छवि बनाने और अमरीका के बड़े अधिकारियों तथा मंत्रियों आदि से भेंट मुलाक़ात करवाने के लिए तीन करोड़ रूपये दिए जाने के खुलासे के बाद संघ के आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर द्वारा यह सफाई दी गयी थी कि आरएसएस "केवल भारत में" काम करता है। उनका यह दावा रंगे हाथों पकड़े जाने पर मुकर जाने की संघ की स्थायी अदा के सिवा कुछ नहीं था। अम्बेकर की इस सफाई के कुल जमा छः सप्ताह बाद ही हैदराबाद में संघ की वैश्विक भुजा, जिसे आरएसएस के प्रचारक संघ का विश्व विभाग बताते हैं, का शिविर हुआ, जिसमें दुनिया भर के 79 देशों के 1,600 लोग शामिल हुए। स्वयं सरसंघचालक मोहन भागवत इसमें हिस्सा लेने पहुंचे थे।

यह कोई नया संगठन या उपक्रम नहीं है। साल 2006 में संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में छपी एक खबर के अनुसार, तब हर पांच साल में यह शिविर हुआ करता था, अब हर वर्ष होने लगा है, और उस वर्ष के शिविर के मुख्य अतिथि 2002 के नरसंहार से ख्याति पाए गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी थे। इससे पहले 1995 की प्रेस विज्ञप्ति ने बताया था कि वैश्विक संघ हिन्दू स्वयंसेवक संघ, सेवा इंटरनेशनल, विश्व हिन्दू परिषद्, हिन्दू स्टूडेंट्स कौंसिल और फ्रेंड्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी इंटरनेशनल आदि–आदि संगठन आरएसएस के अनुषंगी संगठन हैं। मतलब यह कि इनकी सांगठनिक मौजूदगी है, जो बाकी जो हो सो हो, भारत के किसी काम की नहीं है। दुनिया के अलग–अलग देशों में बैठे इतने सारे संगठन भारत के लिए कुछ करते हैं या कभी रीगन, तो कभी ट्रम्प के लिए ही मंच सजाते रहते हैं? यह जानना दिलचस्प होगा कि हाल में ट्रम्प द्वारा लगभग भारत विरोधी मुहिम छेड़े जाने के वक़्त संघ की अमरीकी शाखा ने क्या किया? कोई बयान तक देने का भी साहस जुटाया या नहीं। इन सब पर बोलने की उम्मीद करना तो दूर की बात है, अभी मार्च में जारी इस रिपोर्ट और उसमें की गयी सिफारिशों पर भी कुछ कहने की हिम्मत नहीं हो पायी है।

भारत और दुनिया के इतिहास ने बार–बार यही साबित किया है कि इस रंग के हों या उस रंग के, दक्षिणपंथी उन्मादपरस्त संगठनों के स्वभाव का अपरिवर्तनीय हिस्सा होता है साम्राज्यवाद की पालकी का कहार बनना। साम्राज्यवादी आकाओं की नजर टेढ़ी न हो, इसके लिए हर संभव कोशिश करना।

(लेखक लोकजतन के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं।
संपर्क : 94250–06716)

मोदी युग में भारत वाकई बदला, मगर गया तो पीछे!

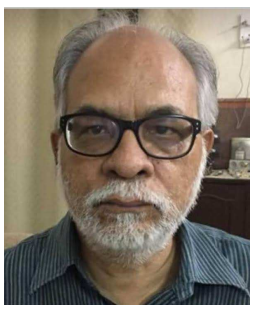

राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकार्ड कायम कर लिया। मोदी के शीर्ष मंत्रिमंडलीय साथियों की प्रशस्तियों से पूरे देश को यह रिकार्ड बनने का पता चला। यह रिकार्ड है देश में सबसे लंबे समय तक सार्वजनिक पद (वास्तव में मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पद) पर रहने का। इस 22–23 मार्च को नरेंद्र मोदी को उच्च सार्वजनिक पदों पर रहते हुए 8,931 दिन हो गए। इसके साथ ही नरेंद्र मोदी ने पवन चामलिंग का रिकार्ड तोड़ दिया, जो 24 वर्ष तक सिक्किम के मुख्यमंत्री रहे थे। पवन चामलिंग का मुख्यमंत्री का कार्यकाल, 8,930 दिन का ही था।

नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था और 2014 की 26 मई से प्रधानमंत्री के पद पर हैं। और नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री के पद पर रहकर गुजरात को और प्रधानमंत्री के पद पर रहकर देश को जिस दिशा में आगे बढ़ाया है, उसमें बहुत ही मुखर निरंतरताएं हैं। इसलिए, इस रिकार्ड के बहाने 24 वर्ष के नरेंद्र मोदी के इस पूरे कार्यकाल की ही, जिसे श्सेवाश का रिकार्ड बताने पर मोदी के मंत्रिमंडलीय साथियों का खास जोर रहा है, कुछ विशेषताओं को यहां रेखांि कत करना अनुपयुक्त नहीं होगा।

मोदी के बाद नंबर दो माने जाने वाले, अमित शाह ने गोल–मोल प्रशस्तियों को दोहराने के साथ ही, इनसे कुछ आगे भी जाने की कोशिश की है। यह कहने के बाद कि श्सेवा के मोदीजी के दशक अपना ही एक युग बन गए हैंश, शाह एक्स पर अपनी पोस्ट में इस युग में हुए मुख्य बदलाव भी गिनाते हैं। श्चाहे गरीबों को उनके अधिकार देना हो, चाहे विकास के नये मानक कायम करना हो या वैश्विक मंचों पर राष्ट्र का गौरव बढ़ाना हो, मोदी युग ने भारत को इतना बदल दिया है कि इसको पहचानना ही मुश्किल है।श शाह ने अपने बयान के आखिर में संभवतरू अनजाने में जिस एक बड़ी सच्चाई को उगल दिया है, उससे हम भी पूरी तरह सहमत हैं। वाकई श्मोदी युग ने भारत को इतना बदल दिया है कि इसको पहचानना ही मुश्किल है।श आइए, अब जरा इस पर भी तो नजर डाल लें कि मोदी युग ने भारत को किस तरफ इतना बदला है कि पहचान में ही नहीं आता है।

मोदी युग के भारत की बदली हुई पहचान का एक पहलू, सचमुच खुद को भारतीय मानने वाले हर देशवासी को जरूर चुभा होगा। अभी गुजरी ईद पर एक ओर तो प्रधानमंत्री ने अपनी मुबारकबाद दी और दूसरी ओर इसी के ईद–गिर्द कम से कम पांच खबरें बिना किसी प्रयास के स्मृति में गढ़ी रह गयीं। पहली खबर प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से थी, जहां गंगा में एक नाव पर रोजा–इफ्तार करने के लिए, 14 मुस्लिम नौजवानों को शुरूआती तौर पर 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। भाजपा युवा मोर्चा के एक नेता की शिकायत पर पहले गंगा पर नाव में बिरयानी खाकर धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया, फिर बिरयानी खाकर श्हड्डियां गंगा में डालने का और अंत में मल्लाह की नाव जबरन छीनकर ले जाने का।

इसी के पीछे–पीछे दूसरी खबर आई, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के क्षेत्र गोरखपुर से। यहां पुलिस ने एक खुली जगह पर इफ्तार करने के बाद, चार नौजवानों को गिरफ्तार कर लिया। उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने बिरयानी खाकर, श्हड्डियां एक नाले में डाल दी थीं। नाला एक मंदिर के करीब था और मंदिर के पुजारी की शिकायत थी कि बिरयानी की श्हड्डियां डालकर, उस नाले का पानी दूषित कर दिया गया, जिस नाले से मंदिर के लोग पानी पीते थे, जिस पानी में खाना बनाते थे और जिस पानी से देव प्रतिमाओं को स्नान कराते थे!

जरा और बाद में उत्तर प्रदेश में ही मैनपुरी में तथा एक अन्य जगह से, पुलिस अधिकारियों के ईद पर सामूहिक नमाज के लिए इकट्ठे हुए लोगों को अकारण धमकाने–धौंस देने के वीडियो वायरल हुए। पांचवीं खबर, राजधानी दिल्ली में उत्तम नगर से थी, जहां उच्च न्यायालय के आदेश पर पुलिस की बहुत भारी तैनाती के बाद और दर्जनों की गड़बड़ी फैलाने की कोशिश के लिए गिरफ्तारी के बाद, ईद का शांति से निकल जाना, सब के लिए राहत की एक बड़ी खबर बन गया। हिंदुत्ववादी योद्घा लगातार यहां ईद पर खून बहाने की धमकियां दे रहे थे। याद रहे कि यह तो सिर्फ बानगी है। अल्पसंख्यकों के धार्मिक त्यौहारों को तथाकथित हिंदुत्ववादियों द्वारा झगड़े और इकतरफा पुलिस–प्रशासनिक कार्रवाइयों का मौका बनाया जाना, मोदी युग के भारत में जैसे नियम ही बन चुका है। इससे पहले, क्रिसमस पर भी जगह–जगह हमलों तथा गड़बड़ी की खबरें आई थीं। मोदी युग में अल्पसंख्यकों में मुसलमान खासतौर पर निशाने पर हैं, लेकिन ईसाई और यहां तक कि सिख, जैन तथा बौद्घ भी, सुरक्षित कोई नहीं है।

यह बढ़ता सांप्रदायीकरण, मौजूदा सत्ताधारियों द्वारा सचेत रूप से फैलाया जा रहा है और राजसत्ता समेत सभी उपलब्ध औजारों का इस्तेमाल कर के फैलाया जा रहा है। राजसत्ता के समाज के संप्रदायीकरण के लिए सुनियोजित इस्तेमाल का इतिहास, उस मोदी युग जितना ही पुराना है, जिसकी बात अमित शाह करते हैं। मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के गुजरात में सत्ता संभालने के चंद महीनों में ही, गुजरात का 2002 का कुख्यात दंगा हो चुका था, जो वास्तव में प्रशासन की शह से, संघ परिवार द्वारा अंजाम दिया गया, मुस्लिमविरोधी नरसंहार ही था। इसके कुछ ही महीने बाद, इस नरसंहार को ही अपना शुभंकर बनाकर नरेंद्र मोदी ने चुनाव में भाजपा को जीत दिलायी और तब तक गुटों में बंटी रही गुजरात भाजपा में अपनी स्थिति सबसे मजबूत कर ली।

मोदी युग में वक्त के साथ सांप्रदायीकरण का यह खेल ज्यादा से ज्यादा बढ़ता तथा ज्यादा से ज्यादा खुलेआम ही होता गया है। इसी क्रम में 2024 के आम चुनाव के समय से, खुलेआम मुस्लिमविरोधी दुहाई का सहारा लेने को नरेंद्र मोदी ने खुद ही अपना प्रमुख हथियार बना लिया है। अपनी मुस्लिमविरोधी पहचान को स्थापित करने के लिए वह पहले श्तुष्टिकरणश–विरोध की जिस शब्दावली का सहारा लेते थे, उसे छोड़कर अब उन्होंने श्घुसपैठियोंश के खतरे की शब्दावली को पकड़ लिया है।

विशेष रूप से झारखंड, एक हद तक महाराष्ट्र और पिछले ही दिनों बिहार के चुनाव में श्घुसपैठियों के खतरेश के नारे को जमकर भुनाने के बाद, अब खासतौर पर असम तथा प. बंगाल के चुनाव में संघ–भाजपा सबसे ज्यादा इसी नारे के सहारे हैं। नतीजा यह है कि इन चुनावों में खुद भाजपा के अपने अल्पसंख्यक मोर्चे के नेता तक बिल्कुल बेरा. `जगार हैं कृ चुनाव में उनकी उपस्थिति तो उनके मुस्लिम–विरोधी तेवर को कमजोर जो कर देगी। सच है कि मोदी युग ने भारत को इतना बदल दिया है कि उसे पहचानना ही मुश्किल हो गया है। पहले भी सांप्रदायिक ताकतें हुआ करती थीं, सांप्रदायिक गबड़बड़ियां भी हुआ करती थीं, शासन के आचरण में भी थोड़ा–बहुत पक्षपात भी हो सकता था, लेकिन शासन और राज्य की मुद्रा आमतौर पर निष्पक्ष होती थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री की हैसियत से अटल बिहारी वाजपेयी ने भी 2002 के नरसंहार के बाद मुख्यमंत्री की हैसियत से नरेंद्र मोदी को उनका यही श्राजधर्मश याद दिलाया था। पर मोदी युग में, सां. प्रदायिक भेदभाव ही राजधर्म है!

मोदी युग में कुछ और भी बदला है, जिसने उस भारत को पहचानना मुश्किल बना दिया है, जिसने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ 100 साल से ज्यादा लड़कर, आजादी हासिल की थी। इस लड़ाई से बनी इस देश की अपनी पहचान को ही इस मोदी युग ने जिस हिकारत से साथ बदला है, उसका जिक्र हम जरा और आगे करेंगे। पहले, इस लड़ाई से निकली आम जनता यानी किसान, मजदूर, कर्मचारी, छोटे व्यवसायी आदि की केंद्रीयता की याद दिला दें, जिसे मोदी युग में पूरी तरह से गायब ही कर दिया गया है।

बेशक, आजादी की लड़ाई की राष्ट्रवाद की कल्पना में, देसी पूंजीपतियों की भी जगह थी और स्वतंत्र भारत में अपनायी गयी विकास की नीति में, उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका दी गयी थी, हालांकि राजकीय क्षेत्र की भूमिका को उसके ऊपर रखा गया था। धीरे–धीरे पूंजीवादी क्षेत्र की जगह बढ़ती भी गयी। फिर भी शासन की भूमिका आम तौर पर आम लोगों यानी किसानों, मजदूरों व अन्य मेहनत करने वालों के पक्ष में संतुलन को रखने की ही रही।

नब्बे के दशक के आरंभ में नव–उदारवाद के आने के साथ, शासन के लिए औपचारिक रूप से आम लोगों की इस केंद्रीयता को जैसे छोड़ ही दिया और आम लोगों के हितों को, हाशिए के बचाव उपायों तक सीमित कर दिया गया। फिर भी पूंजीवादी क्षेत्र को बढ़ावा देने के बावजूद, शासन या राज्य और उसके बीच एक अंतर बना रहा। बहरहाल, मोदी युग में यह अंतर ही मिटा दिया गया है और सत्ता पर सीधे सांप्रदायिक–कारपोरेट गठजोड़ का कब्जा करा दिया गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी युग के साथ ही इसकी भी शुरूआत हुई थी, जो बाद में 2013 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के पद के लिए संघ–भाजपा के उम्मीदवार से पहले, कारपारेटों के लगभग सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में प्रमोट किए जाने में अपने उत्कर्ष पर पहुंची।

और मोदी के प्रधानमंत्रित्व में, शासन द्वारा खुले आम और देश व आम जनता के हितों की कीमत पर चहेते कारपोरेटों को आगे बढ़ाए जाने में तो इसे चरमोत्कर्ष पर ही पहुंचा दिया गया। संयोग ही नहीं है कि संघ–भाजपा के लिए धन्ना–सेठों ने भी अपनी तिजोरियों के दरवाजे पूरे खोल दिए हैं, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया की सेवाएं भी शामिल हैं। सां. प्रदायिक तुरुप के साथ, यह गठजोड़ भी संघ–भाजपा की और उसमें भी खासतौर पर मोदी और उनकी मंडली की ताकत, बल्कि अजेयता का, सबसे बड़ा स्रोत है। जाहिर है कि मोदी युग से पहले भारत ऐसा कभी नहीं था।

और आखिर में वह, जो आज सबसे ज्यादा सामने है। ईरान पर अमेरिका–इजरायल के अकारण और वास्तव में बातचीत के बीच में होने के चलते विश्वासघाती हमले पर, मोदी युग के भारत की चुप्पी ने भारत की उस पहचान को पूरी तरह से ही त्याग दिया है, जो हमारी साम्राज्यवादविरोधी आजादी की लड़ाई से बनी थी। भारत आज अगर किसी के साथ है तो, एक स्वतंत्र देश की संप्रभुता के हरण के साम्राज्यवादी हमले के साथ है! यह, वेनेजुएला के मामले में और क्यूबा के मामले में भी चुप्पी से भी आगे का मामला है। मोदी युग ने वाकई भारत को ऐसे बदल दिया है कि पहचानना ही मुश्किल है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका लोकलहर के संपादक हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है–राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है।

yfyr xx

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन–दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व–राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढक़र लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान–इजरायल एवं यूक्रे–रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चौन से जी सके।

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आधु. निक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है–राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंत. रराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस–यूक्रेन युद्ध हो, मध्य–पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध–इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है–पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रति. बंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है।

श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज "रामराज्य" के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनी. ति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता–पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर–वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान–ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है।

श्रीराम हमारे कण–कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है–शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है।

रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम का जन्म होगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

– ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर
संपादकीय

आर्थिक सिद्धांत विकास

संपादक – राज कुमार

एडम स्मिथ की प्रसिद्ध कृति 'वेल्थ ऑफ नेशंस' का प्रकाशन 9 मार्च 1776 को हुआ, जिसने अर्थशास्त्र की दुनिया में एक नया अध्याय शुरू किया। यह पुस्तक प्रारंभ में विद्वानों के बीच ही सीमित रहने की आशंका जताई गई थी, क्योंकि यह विस्तृत और जटिल थी, लेकिन इसके प्रकाशन के मात्र छह महीनों के भीतर ही पहला संस्करण पूरी तरह बिक गया। इस अप्रत्याशित सफलता ने यह साबित कर दिया कि पुस्तक में प्रस्तुत विचार न केवल गहरे थे, बल्कि सरल और स्पष्ट भाषा में व्यक्त किए गए थे। स्मिथ को आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है। उन्होंने सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के आर्थिक विचारों को व्यवस्थित रूप से समाहित करते हुए एक व्यापक सिद्धांत प्रस्तुत किया। उनके विचारों को आगे चलकर माल्थस और रिकार्डो जैसे अर्थशास्त्रियों ने और विक. सित किया, जिससे शास्त्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत हुई। हालांकि उनसे पहले भी कई अर्थशास्त्री थे, लेकिन स्मिथ ने अर्थशास्त्र को एक स्वतंत्र और व्यवस्थित अनुशासन के रूप में स्थापित किया। स्मिथ के अनुसार श्रम विभाजन आर्थिक विकास का मूल आधार है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि जब एक व्यक्ति अकेले पिन बनाता है तो उत्पादन बहुत कम होता है, जबकि कई लोग मिलकर अलग–अलग कार्य करते हुए हजारों पिन तैयार कर सकते हैं। इसी प्रकार एक साधारण कोट के निर्माण में भी कई लोगों का योगदान होता है, जो श्रम विभाजन और परस्पर निर्भरता को दर्शाता है। यह व्यवस्था उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के साथ–साथ आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मनुष्य का स्वार्थ ही आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख प्रेरक है। व्यक्ति अपने लाभ के लिए कार्य करता है, लेकिन उसी प्रक्रिया में समाज का भी भला हो जाता है। इसी विचार को उन्होंने 'अदृश्य हाथ' के रूप में प्रस्तुत किया, जो बाजार की स्वाभाविक व्यवस्था को नियंत्रित करता है। स्मिथ मुक्त व्यापार और न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप के पक्षधर थे, क्योंकि उनका मानना था कि बाजार स्वयं संतुलन स्थापित कर लेता है। हालांकि स्मिथ ने श्रम विभाजन के लाभों को स्वीकार किया, लेकिन इसके दुष्परिणामों की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया व्यक्ति को एकरसता और अज्ञानता की ओर ले जा सकती है, इसलिए राज्य की जिम्मेदारी है कि वह शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में हस्तक्षेप करे। उन्होंने सार्वजनिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सरकारी भूमिका को आवश्यक माना। स्मिथ का विचार था कि कोई भी समाज तभी समृद्ध और सुखी हो सकता है, जब उसके अधिकांश लोग गरीबी और अभाव से मुक्त हों। उनकी यह सोच आज भी प्रासंगिक है और आधुनिक आर्थिक नीतियों का आधार बनी हुई है। इस प्रकार 'वेल्थ ऑफ नेशंस' न केवल एक सैद्धांतिक ग्रंथ है, बल्कि यह व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी समाज और अर्थव्यवस्था को समझने का मार्गदर्शन करता है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण : सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे।

ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में

विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय–समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे–धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है।

इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिक. ार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है।

यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक।

यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं।

इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ–साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता–तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

– ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

लाल किला विस्फोट : अदालत ने एनआईए को जांच पूरी करने के लिए 45 दिन का और समय दिया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को पिछले साल 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच पूरी करने के लिए 45 दिनों का अतिरिक्त समय दिया।

विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एजेंसी को अति. रिक्त समय दिया और कई आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी।

अब तक आतंकवाद रोधी एजेंसी ने इस मामले में 11 गिरफ्तारियां की हैं।

इससे पहले, 23 मार्च को एजेंसी ने समय बढ़ाने के लिए याचिका दायर की थी, जिसका एक कारण यह था कि फरवरी में हुई नई गिरफ्तारियों के कारण पूरी साजिश की जांच के लिए उसे और समय चाहिए।

पिछले महीने, एनआईए ने दिल्ली बम विस्फोट से संबंधित साजिश में सक्रिय रूप से शामिल होने के आरोप में जम्मू और कश्मीर से जमीर अहमद अहनगर और तुफैल अहमद भट को गिरफ्तार किया था।

उसी दिन एजेंसी द्वारा दायर एक आवेदन में कहा गया था कि कई आरोपियों से उनके डिजिटल उपकरणों से प्राप्त ष्कट्टरपंथी सामग्रीष् की व्याख्या के लिए पूछताछ करना आवश्यक है।

इसमें कहा गया था कि यहां जामिया मिलिया इस्लामिया के एक विशेषज्ञ से कट्टरपंथी सामग्री का गहन विश्लेषण करने के बाद एक व्याख्या रिपोर्ट प्रदान करने का अनुरोध किया गया है ताकि अरबी भाषा में लिखे गए इन साहित्य और लेखों की ष्कट्टरपंथी या चरमपंथी प्रकृतिष् का पता लगाया जा

सके, जिनका उद्देश्य षहिंसक जिहाद को बढ़ावा देना या प्रचारित करनाष और ष्घरेलू रोजमर्रा की वस्तुओं और रसायनों के माध्यम से बम तैयार करनाष है।

एजेंसी ने अपने आवेदन में कहा कि आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए व्हाट्सएप ग्रुपों की पहचान कर ली गई है और श्एजीयूएचश (अंसार गजवत उल हिंद) व्हाट्सएप ग्रुप के सदस्यों की पहचान से संबंधित जांच जारी है।

इसमें कहा गया है कि आतंकी मॉड्यूल की कट्टरपंथी या जिहादी विचारधारा का पालन करने वाले अन्य सदस्यों और गिरफ्तार आरोपियों के संभावित सहयोगियों और संचालकों की पहचान करने के लिए व्हाट्सएप लीगल इंटरसेप्शन (वीओआईपी) सहित कुछ मोबाइल फोन नंबरों को इंटरसेप्ट करने के अलावा एक तकनीकी विश्लेषण भी किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि ष्कानूनी इंटरसेप्शनष से प्राप्त जानकारी को गिरफ्तार आरोपियों के सामने पेश किया जाएगा।

छह आरोपियों से संबंधित जांच रिपोर्ट का विवरण देते हुए इसमें कहा गया है कि आमिर राशिद मीर ने वह सेकंड–हैंड कार खरीदी थी, जिसका इस्तेमाल मृतक डॉ. उमर–उन–नबी करते थे।

10 नवंबर को राजधानी राजधानी में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट में नबी विस्फोटकों से भरी हुंडई आई20 कार चला रहा था, जिसमें 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

एनआईए की याचिका में कहा गया है कि जसिर बिलाल वानी उर्फ घ्घ्दानिश, नबी और अन्य सह–आरोपियों के साथ मिलकर हथियारों और विस्फोटकों का परीक्षण करके आतंकवादी हमले की तैयारी में शामिल था।

याचिका में कहा गया है कि जांच में पता चला है कि मुफ्ती इरफान अहमद वागे प्रतिबंधित संगठन अगुआह (अंसार गजवत उल हिंद) का सक्रिय सदस्य था और उसने युवाओं को अगुआह के संरक्षण में आत्मबलिदान/शहादत अभियानों के लिए प्रेरित या कट्टरपंथी बनाया। याचिका में यह भी कहा गया है कि उसने इस मामले में मृतक नबी (अब मृत) की सहायता की और दूसरों के साथ मिलकर आतंकवादी कृत्य की साजिश रची और योजना बनाई।

एनआईए के आवेदन के अनुसार, डॉ. मुज़मिल शकील गनी भी एजीयूएच का सदस्य था और उसने विस्फोट में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की व्यवस्था और खरीद के साथ–साथ हथियार खरी. दने और छिपाने, विस्फोटक और आईईडी बनाने या गढ़ने में नबी के साथ साजिश रची थी। आवेदन में कहा गया है कि एजीयूएच के एक अन्य सदस्य डॉ. अदील अहमद राथर की भूमिका भी गनी जैसी ही थी और उसने देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए हथियार और गोला–बारूद की व्यवस्था की थी।

एजेंसी के आवेदन में कहा गया है कि एजीयूएच के एक अन्य सदस्य डॉ. शाहीन सईद ने गनी और नबी को रसद और ष्भारी वित्तीय सहायताष प्रदान की, साथ ही वर्तमान ष्आतंकवादी कृत्यष में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की व्यवस्था और खरीद की भी व्यवस्था की। 13 फरवरी को, अदालत ने एनआईए की उस याचिका पर जांच पूरी करने के लिए एजेंसी को 45 दिन का अतिरिक्त समय दिया था, जिसमें आरोपियों के वित्तीय और डिजिटल संबंधों की आगे जांच करने के आधार पर 90 दिन का विस्तार मांगा गया था।

जम्मू रेलवे डिवीजन के सभी टीटीई लॉबी में बायोमेट्रिक सिस्टम स्थापित किया गया है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल ने आधु. निकीकरण और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी सभी ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक लॉबी में पूरी तरह से बायोमेट्रिक साइन ऑन और साइन ऑफ प्रणाली सफलतापूर्वक लागू कर दी है। अधिक. ारियों के अनुसार इस नई व्यवस्था का उद्देश्य टिकट जांच कर्मचारियों की उपस्थिति को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाना है, जिससे रेलवे सेवाओं में सुधार लाया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि यह आधुनिक प्रणाली जम्मू मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर लागू की गई है। इनमें जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, शहीद कैप्टन तुषार महाजन, श्रीनगर और पठानकोट शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर ट्रैवलिंग टिकट परीक्षकों के लिए अब उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और आधार आधारित कर दी गई है।

उत्तरी रेलवे के अंतर्गत आने वाले जम्मू मंडल द्वारा उठाया गया यह कदम रेलवे के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई प्रणाली के तहत अब टिकट जांच कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी शुरू करने और समाप्त करने के समय बायोमेट्रिक माध्यम से उपस्थिति दर्ज करनी होगी, जिससे उनकी वास्तविक उपस्थिति का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंह ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस बायोमेट्रिक प्रणाली का मुख्य उद्देश्य टिकट जांच स्टाफ के कार्य में पूर्ण

पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल मानवीय त्रुटियों को समाप्त किया जा सकेगा, बल्कि ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की वास्तविक समय में उपस्थिति भी सुनिश्चित होगी। इससे यात्रियों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार आने की उम्मीद है।

उन्होंने आगे बताया कि तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से रेलवे अपने संचालन को अधिक आधुनिक और कुशल बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है। यह कदम डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसके तहत सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया जा रहा है। नई प्रणाली लागू होने के बाद उपस्थिति रिकॉर्ड में किसी प्रकार की हेरफेर की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। पहले जहां मैन्युअल तरीके से उपस्थिति दर्ज की जाती थी, वहां त्रुटियों या गड़बड़ी की संभावना बनी रहती थी, लेकिन अब बायोमेट्रिक प्रणाली के जरिए यह समस्या दूर हो जाएगी। इससे प्रशासन को कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की सटीक जानकारी मिल सकेगी। रेलवे अधिका. रियों का मानना है कि इस प्रणाली के लागू होने से न केवल आंतरिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा, बल्कि यात्रियों के प्रति सेवा स्तर भी बेहतर होगा। टिकट जांच स्टाफ की नियमित और सटीक उपस्थिति से यात्रियों को समय पर और प्रभावी सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे उनकी यात्रा अनुभव में सकारात्मक बदलाव आएगा।

समग्र रूप से देखा जाए तो जम्मू मंडल में बायोमेट्रिक साइन ऑन और साइन ऑफ प्रणाली का लागू होना रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल प्रशासनिक कार्यों को सरल बनाएगी, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही को भी मजबूत करेगी, जिससे रेलवे सेवाओं में गुणवत्ता और विश्वसनीयता दोनों में वृद्धि होगी।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर रनवे निर्माण कार्य के कारण अप्रैल से जुलाई के बीच उड़ान संचालन प्रतिबंधित रहेगा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगामी महीनों में रनवे निर्माण कार्य के चलते उड़ान संचालन पर अस्थायी प्रभाव पड़ने वाला है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल से जुलाई तक उड़ानों के संचालन समय में बदलाव किया जाएगा, जिससे यात्रियों को पहले से योजना बनाकर यात्रा करने की सलाह दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारतीय वायु सेना द्वारा जारी नोटैम के तहत रनवे के उन्नयन और मरम्मत कार्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह कार्य अप्रैल के पहले सप्ताह से शुरू होगा और इसके चलते छह अप्रैल से इकतीस जुलाई तक निर्धारित उड़ानों का संचालन समय सीमित कर दिया जाएगा। इस अवधि के दौरान सभी नियमित उड़ानों का संचालन शाम पांच बजे तक ही किया जाएगा, जबकि वर्तमान में उड़ानें सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक संचा. लित होती हैं। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर फिलहाल प्रतिदिन लगभग साठ उड़ानें, जिनमें आगमन और प्रस्थान दोनों शामिल हैं, संच. ालित होती हैं। ऐसे में संचालन समय में कमी का असर उड़ानों की समय सारिणी पर पड़ेगा। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव के बावजूद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंधन किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन महानिद. शालय द्वारा अनुमोदित ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के अनुसार उड़ानों की संख्या में वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

इसके चलते एयरलाइंस संशोधित समय के अनुरूप अपनी उड़ानों की योजना तैयार करेंगी और उसी के अनुसार संचालन करेंगी। इससे यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि यात्रियों को अधिकतम सुविधा मिल सके और यात्रा प्रभावित न हो। अधिकारियों ने बताया कि रनवे निर्माण कार्य हवाई अड्डे की बुनियादी संरचना को मजबूत बनाने और भविष्य में अधिक सुरक्षित तथा सुगम उड़ान संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस तरह के कार्य समय–समय पर आवश्यक होते हैं, ताकि हवाई अड्डे की गुणवत्ता और सुरक्षा मानक. ों को उच्च स्तर पर बनाए रखा जा सके।

उमर अब्दुल्ला के अनुसार, जम्मू-कश्मीर का लक्ष्य 2035 तक अपनी स्थापित जलविद्युत क्षमता को तीन गुना बढ़ाकर लगभग 11,000 मेगावाट करना है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में जलविद्युत क्षेत्र के विकास को लेकर अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं का खुलासा करते हुए कहा है कि यहां लगभग अठारह हजार मेगावाट की अनुमानित जलविद्युत क्षमता मौजूद है। इसमें से करीब पंद्रह हजार मेगावाट क्षमता की पहचान की जा चुकी है और सरकार वर्ष दो हजार पैंतीस तक अपनी स्थापित क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर ग्यारह हजार मेगावाट तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में विधायक जावेद इकबाल के प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बताया कि अब तक कुल पहचानी गई क्षमता का लगभग चौबीस प्रतिशत, यानी तीन हजार पांच सौ चालीस दशमलव पंद्रह मेगावाट, उपयोग में लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के बावजूद अभी भी प्रदेश में जलविद्युत विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं, जिनका लाभ उठाने के लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में कई परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। केंद्र शासित प्रदेश क्षेत्र में तेरह परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल क्षमता एक हजार एक सौ सत्तान. वे दशमलव चार मेगावाट है। वहीं केंद्रीय क्षेत्र में छह परियोजनाएं संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता दो हजार दो सौ पचास मेगावाट है। इसके अलावा स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों या निजी क्षेत्र के अंतर्गत बारह परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल क्षमता बानवे दशमलव पचहत्तर मेगावाट है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने आगामी दशक के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है, जिसके तहत जलविद्युत उत्पादन को बढ़ाने के

लिए कई नई परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। निर्माणाधीन छह परियोजनाओं से तीन हजार तिरसठ दशमलव पांच मेगावाट बिजली उत्पादन की उम्मीद है। इसके अलावा आठ अन्य परियोजनाएं निविदा, आवंटन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट या मंजूरी के विभिन्न चरणों में हैं, जिनसे चार हजार पांच सौ सात मेगावाट अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे इस अवधि के दौरान अति. रिक्त एक सौ से डेढ़ सौ मेगावाट बिजली उत्पादन की संभावना है। इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष दो हजार पैंतीस तक जम्मू कश्मीर की कुल स्थापित जलविद्युत क्षमता लगभग ग्यारह हजार मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के निर्णय के बाद प्रदेश में चल रही परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी आई है। इसके साथ ही सरकार शेष जलविद्युत क्षमता के अधिकतम उपयोग के लिए संभावित भंडारण परियोजनाओं की पहचान करने पर भी काम कर रही है। इससे न केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन भी संभव हो सकेगा।

मौजूदा परिचालन क्षमता के बारे में जानक. ारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के स्वामित्व वाली परियोजनाएं कुल एक हजार एक सौ सत्तानवे दशमलव चार मेगावाट बिजली उत्पादन कर रही हैं। इनमें बागलिहार प्रथम और द्वितीय, लोअर झेलम और अपर सिंध जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं का प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान है।

इसके अलावा एनएचपीसी द्वारा संचालित केंद्रीय क्षेत्र की परियोजनाएं भी प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में अहम भूमिका निभा रही हैं। इनकी कुल क्षमता दो हजार दो सौ पचास मेगावाट है, जिसमें सलाल, उरी प्रथम, दुलहस्ती, किशनगंगा और उरी द्वितीय जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। ये परियोजनाएं न केवल प्रदेश, बल्कि देश के अन्य हिस्सों को भी बिजली आपूर्ति करने में सहायक हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि डोडा, पुंछ, बांदीपोरा, बारामूला, गांदरबल, बुडगाम, अनंतनाग और रामबन जैसे जिलों में छोटे स्तर पर संचालित निजी परियोजनाएं भी कुल बानवे दशमलव पचहत्तर मेगावाट क्षमता का योगदान दे रही हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

समग्र रूप से देखा जाए तो जम्मू कश्मीर सरकार जलविद्युत क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए व्यापक रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले वर्षों में इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकेगा, जिससे आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में रिश्वत लेने के आरोप में वन अधिकारी और गार्ड गिरफ्तार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने बताया कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने पर दो सरकारी अधिकारियों – एक वनपाल और एक वन रक्षक – को गिरफ्तार किया गया।

स्थानीय निवासी की शिकायत के बाद एसीबी ने जाल बिछाया, जिसके बाद दोनों को पकड़ा गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि वनपाल एजाज अहमद और वन रक्षक मोहम्मद जमान ने उसके घर के पास सेप्टिक टैंक और भूमिगत जल टैंक के निर्माण की अनुमति देने के लिए उससे पैसे मांगे थे।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 13 मार्च को जमान उसके घर आया और यह कहकर खुदाई का काम रोक दिया कि जमीन वन विभाग के अंतर्गत आती है।

एसीबी के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने कहा कि वह जमीन उसकी अपनी है, लेकिन जमान सहमत नहीं हुआ। इसके बाद जमान ने काम की मंजूरी के लिए 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी।

डर और दबाव के कारण शिकायतकर्ता को मजबूरन 30,000 रुपये देने पड़े, जो वन रक्षक और वनपाल द्वारा दिए गए खाते में तुरंत ट्रांसफर कर दिए गए। हालांकि, रिश्वत मिलने के बाद भी दोनों आरोपी शिकायतकर्ता को धमकाते और परेशान करते रहे और उससे 10,000 रुपये और देने की मांग करते रहे।

बाद में, शिकायतकर्ता ने एसीबी राजौरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों अधिकारियों को 7,000 रुपये रिश्वत के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रवक्ता ने बताया कि राजौरी स्थित आरोपियों के आवासीय घर की तलाशी ली गई।

ज़ोजिला दर्रे पर हिमस्खलन से वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से 7 लोगों की मौत, 5 घायल; बचाव अभियान जारी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जोजिला दर्रे पर शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में हिमस्खलन की चपेट में आने से एक यात्री वाहन में सवार कम से कम सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब वाहन दर्रे से गुजर रहा था और अचानक भारी बर्फ खिसकने से पूरा क्षेत्र उसकी चपेट में आ गया।

जोजिला दर्रा समुद्र तल से काफी ऊंचाई पर स्थित एक संवे. दनशील मार्ग है, जहां मौसम अक्सर अचानक बदल जाता है और हिमस्खलन का खतरा बना रहता है। इसी खतरे के बीच शुक्रवार को यह दुर्घटना हुई, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानक. ारी देते हुए बताया कि वाहन पर अचानक भारी हिमस्खलन आ गिरा, जिससे उसमें सवार सात लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव दल तुरंत सक्रिय हो गए। राहत और बचाव टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को निकालने का अभियान शुरू किया गया। इस दौरान पांच घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिन्हें तुरंत नजदीकी चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया।

घटना के बाद प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में अति. रिक्त बचाव दल तैनात किए। बचावकर्मी कठिन मौसम और बर्फबारी के बीच लगातार अभियान चला रहे हैं, ताकि किसी भी संभावित जीवित व्यक्ति को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके। अधिकारियों के अनुसार बचाव कार्य अभी भी जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि उन्हें जोजिला में हुए हिमस्खलन की दुखद सूचना मिली है। उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि कारगिल के जिला उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि घायलों को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

उपराज्यपाल ने आगे बताया कि आपदा राहत बलों, सीमा सड़क संगठन और अन्य संबंधित एजेंसियों को उच्च सतर्कता पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस स्थिति पर गंभीरता से नजर बनाए हुए है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और राहत कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान इस मार्ग पर यात्रा करने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जो. जिला दर्रा एक महत्वपूर्ण मार्ग होने के साथ-साथ अत्यंत जोखिमपूर्ण भी है, जहां सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतना आवश्यक होता है।

फिलहाल बचाव और निकासी अभियान लगातार जारी है और अधिकारियों द्वारा स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे और सतर्कता की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। प्रशासन द्वारा आगे की जानक. ारी का इंतजार किया जा रहा है, जबकि मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की जा रही है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जा रही है।

भाजपा युवा संगठन ने जम्मू में राष्ट्रीय विधि विद्यालय की मांग को लेकर रैली निकाली

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के सदस्यों ने कई भाजपा विधायकों के साथ जम्मू में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) की स्थापना की मांग को लेकर रैली निकाली, लेकिन पुलिस ने उन्हें विधानसभा परिसर स्थित सिविल सचिवालय की ओर बढ़ने से रोक दिया।

भाजपा और उसके युवा संगठन बीजेवाईएम ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय सम्मेलन सरकार पर कश्मीर के लिए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की घोषणा करते हुए जम्मू को इससे वंचित रखने के लिए ष्केंद्र शासित प्रदेश को धार्मिक और क्षेत्रीय आधार पर विभाजित करनेष का आरोप लगाया है।

यह मार्च श्सचिवालय चलोश के नारे के तहत शहर में निकाला गया और श्भारत माता की जयश, श्जम्मू के लिए एनएलयूश और श्एनसी (राष्ट्रीय सम्मेलन) है हैश जैसे नारे लगाए गए।

भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा, युद्धवीर सेठी, अरविंद गुप्ता, विक्रम रंधावा, सुनील भारद्वाज, शगुन परिहार और दिव्यानी राणा सहित अन्य लोग रैली में शामिल हुए और धरने पर बैठ गए।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को विधानसभा परिसर स्थित सिविल सचिवालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। पुलिस बल की भारी तैनाती की गई थी, जिसमें बैरिकेड, कांटेदार तार और सुरक्षा वाहन शामिल थे।

पुलिस की ज्यादतियों का आरोप लगाते हुए, जम्मू-कश्मीर के बीजेवाईएम अध्यक्ष अरुण प्रभात ने कहा, "हम कुछ भी गलत नहीं कर रहे थे और हमने शांतिपूर्ण मार्च का आह्वान किया था। लेकिन हमें सचिवालय तक मार्च करने से रोकने के लिए हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसके बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ दिए और सचिवालय के पास पहुंच गए।"

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

बनियारी में एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन बॉर्डर यूनियन का कार्यक्रम, सेना अधिकारियों को किया सम्मानित

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन : मढ़ीन के बनियारी क्षेत्र में एक्स सर्विसमैन बॉर्डर यूनियन वेलफेयर एसोसिएशन बॉर्डर यूनियन की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 23 पंजाब रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट राघव खुराना और स्टेशन हेडक्वार्टर बसो. हली–जंगलोट के बहादुर सिंह को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों (एक्स सर्विसमैन) से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि पूर्व सैनिकों को आने वाली परेशानियों को हल करना और उनकी आवाज को उच्च स्तर (हाई कमान) तक पहुंचाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश की सेवा करने वाले सैनिकों और पूर्व सैनिकों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन बॉर्डर यूनियन मढ़ीन के प्रधान पूर्व कैप्टन गुरमीत सिंह, पूर्व कैप्टन सोम. राज, पूर्व कैप्टन जगदीश राज, पूर्व कैप्टन रतन लाल शर्मा, सूबेदार बुई लाल अन्य सदस्य व गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कठुआ में 66 लाख की सड़क का काम शुरू, लोगों को मिलेगा बेहतर सफर

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने सुंदरचक से गांदियाल तक सड़क के मैकडमाइजेशन कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना पर लगभग 66 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। करीब 3 किलोमीटर लंबी यह सड़क पिछले दो वर्षों से बेहद खराब स्थिति में थी, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और गड्ढों के कारण हालात और भी बदतर हो जाते थे, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष कठिनाई होती थी। अब इस सड़क का निर्माण कार्य प्रा. ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत शुरू किया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों में नई उम्मीद जगी है।

उद्घाटन अवसर पर विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि बेहतर और मजबूत सड़कें किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की नींव होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़क संपर्क मजबूत होने से न केवल लोगों का दैनिक जीवन आसान बनता है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी सुगम होती है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा और लोगों की मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

विधायक ने संबंधित प्रा. अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दूरदराज के गांवों को भी बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का संतुलित और सतत विकास सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर कई स्थानीय नेता, प्रा. अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त की और विधायक का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से इस सड़क की मरम्मत की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी होती दिखाई दे रही है। लोगों का मानना है कि इस सड़क के निर्माण से न केवल यात्रा आसान और सुरक्षित होगी, बल्कि आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर हो सकेगी।

स्थानीय निवासियों ने यह भी उम्मीद जताई कि भविष्य में क्षेत्र में पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य जैसी अन्य सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि विकास कार्यों को इसी तरह प्राथमिकता दी जाए, ताकि आम जनता को सीधा लाभ मिल सके और क्षेत्र की प्रगति निरंतर बनी रहे।

पुलिस शहीद क्रिकेट प्रतियोगिता का सुरनकोट में भव्य शुभारंभ, युवाओं में दिखा उत्साह

राजेश कुमार

पुंछ : पुलिस पुंछ द्वारा सुरनकोट के खेल मैदान में पुलिस शहीद क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ किया गया।

इस प्रतियोगिता का आयोजन देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि देने और युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ शफकत भट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहन लाल शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक शशिकांत रैना, सुरनकोट के पुलिस उप मंडल अधिकारी सुरिंदर सिंह और राजकीय डिग्री कॉलेज सुरनकोट की प्राचार्य डॉ. रानी मुगल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा कई अधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में युवा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से ईमानदारी और खेल भावना के साथ खेलने की अपील की।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतियोगिता के औपचारिक शुभारंभ के साथ हुई, जिसके बाद टीमों का परिचय कराया गया। उद्घाटन मुकाबला दर्शकों के उत्साह के बीच खेला गया, जिससे प्रतियोगिता की शानदार शुरुआत हुई। जिला पुलिस पुंछ ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच संबंध मजबूत होंगे और युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलेगी।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक.ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक.ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक.ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक.ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि.कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग.लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ में लैंटाना उन्मूलन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, वन विभाग ने सिखाए वैज्ञानिक तरीके

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : कठुआ वन प्रभाग द्वारा बालोडे नर्सरी में लैंटाना उन्मूलन को लेकर एक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कठुआ और सांबा वन प्रभाग के समन्वय से किया गया।

कार्यक्रम में पूर्वी सर्कल के वन संरक्षक प्रदीपचंद्र वाहुले (आईएफएस) मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मौके पर मौजूद फील्ड स्टाफ को लैंटाना हटाने के वैज्ञानिक तरीके समझाए। कार्यक्रम का संचालन डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर अंकित सिन्हा (आईएफएस) की देखरेख में किया गया, जिसमें अधिकारी प्रशिक्षु अनुशा कोल्ली (आईएफएस) भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रशिक्षण के उद्देश्यों की जानकारी से हुई।

इसके बाद लैंटाना पौधे की पहचान, इसके फैलाव और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया।

अधिकारियों ने बताया कि लैंटाना जंगलों में प्राकृतिक विकास को रोकता है, जैव विविधता को नुकसान पहुंचाता है और वन्य जीवों के आवास को प्रभावित करता है।

प्रशिक्षण के दौरान "कट रूटस्टॉक विधि" पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें पौधे की जड़ को जमीन के नीचे से काटकर दोबारा उगने से रोका जाता है।

हटाए गए पौधों को उल्टा रखकर सुखाया जाता है ताकि वे फिर से न उग सकें। इसके साथ ही खाली जगहों पर घास, बांस और अन्य स्थानीय पौधों के रोपण की भी सलाह दी गई।

कार्यक्रम में फील्ड डेमो और प्रायोगिक प्रशिक्षण भी शामिल रहा। अंत में एक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें फील्ड से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई और बेहतर तरीकों को साझा किया गया।

वन विभाग ने इस अवसर पर आक्रामक प्रजातियों के प्रभावी नियंत्रण और वन संरक्षण के लिए लगातार ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखने की प्रतिबद्धता

युवा नेता अविनाश चौधरी की समाज सेवा को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया सम्मानित

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर पुलिस ने युवा समाजसेवी और छात्र नेता अविनाश चौधरी के उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। यह सम्मान जम्मू विश्वविद्यालय के कानून विभाग के छात्र और एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में उनके योगदान को देखते हुए दिया गया।

पुलिस उप–महानिरीक्षक (डीआईजी) शिव कुमार (आईपीएस) ने एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से अविनाश चौधरी के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अविनाश ने समाज सेवा, जन जागरूकता और खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं को जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। अविनाश चौधरी ने पढ़ाई के साथ–साथ कई सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया है। उन्होंने स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शि. विर और कोविड–19 राहत कार्यों का आयोजन किया। इसके अलावा उन्होंने वृक्षारोपण अभियान और नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए लोगों को जागरूक किया।

बॉर्डर वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचाने में अहम योगदान दिया है, खासकर सीमावर्ती इलाकों में। उनके प्रयासों से युवाओं में समाज सेवा और जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ी है।

डीआईजी शिव कुमार ने उनके समर्पण, नेतृत्व क्षमता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने कहा कि अविनाश चौधरी का कार्य अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह दिखाता है कि युवा भी समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

श्री राम लला जन्मोत्सव पर कठुआ में भव्य शोभा यात्रा, सुंदर झांकियों ने मोहा मन

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : श्री राम लला जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कठुआ में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभा यात्रा में भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की सुंदर झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। पूरे शहर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

शोभा यात्रा के दौरान जिला उपायुक्त राजेश शर्मा भी मौके पर पहुंचे और जिलावासियों को श्री राम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने मानव जीवन को सही दिशा देने का संदेश दिया है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर सच्चाई और मर्यादा के साथ जीवन जीना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया और पूरे क्षेत्र में जय श्री राम के जयकारे गूंजते रहे।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चैरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

"प्रभु से मिलन होने पर आत्मा आनंदित हो जाती है" – कठुआ में विशाल सत्संग का आयोजन

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज की कृपा से चक देसा सिंह और गांव खनयारा में विशाल खुले सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञान प्रचारक ज्योति प्रसाद ने की, जबकि संयोजन बाबूराम ने संभाला।

सत्संग के दौरान ज्योति प्रसाद ने श्रद्धालुआ. को संबोधित करते हुए कहा कि सत्संग के कारण कठुआ में निरंतर रहमत बरस रही है। उन्होंने कहा कि जहां उत्साह, प्रेम और रुचि होती है, वहां इंसान खुद–ब–खुद संगत की ओर आकर्षित होता है। अगर मन में चाह न हो तो व्यक्ति बहाने बनाने लगता है।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक बुजुर्ग महिला, जो 60 वर्षों से संगत से जुड़ी हैं, खराब सेहत के बावजूद सत्संग में जाने की इच्छा रखती हैं। यह उनके गहरे विश्वास और प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जीवन में दुख तो आते हैं, लेकिन अगर परमात्मा का आशीर्वाद साथ हो तो दुखों का असर कम हो जाता है। भगवान राम के जीवन से भी हमें दुखों को सहने की प्रेरणा मिलती है।

वहीं संयोजक बाबूराम ने अपने संबोधन में कहा कि जब भगवान की कृपा होती है, तभी मन सत्संग में लगता है। सत्संग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि परमात्मा के दर्शन सत्गुरु के माध्यम से संभव हैं, लेकिन इसके लिए मन में सच्ची लगन और तड़प होना जरूरी है।

उन्होंने यह भी बताया कि परमात्मा को पाने के लिए उम्र कोई मायने नहीं रखती। छोटे–छोटे बच्चों जैसे भक्त ध्रुव और प्रह्लाद ने भी कम उम्र में ही भगवान को प्राप्त किया। इसलिए मानव जीवन को एक अनमोल अवसर मानकर इसका सही उपयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर वाई.पी. शर्मा सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निजी स्कूलों की लूट का मुद्दा विधानसभा में उठाएं विधायक : अमित कपूर

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू में पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कपूर ने सभी विधायकों से अपील की है कि वे निजी स्कूलों द्वारा की जा रही कथित वसूली के मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाएं। उन्होंने कहा कि वार्षिक फीस, किताबों और यूनिफॉर्म के नाम पर अभिभावकों से मनमानी तरीके से राशि वसूली जा रही है, जिससे मध्यम वर्ग और आम परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसके बावजूद अभिभावकों की समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।

जारी बयान में अमित कपूर ने यह भी सवाल उठाया कि जब उच्चतम न्यायालय द्वारा री–एडमिशन प्रक्रिया पर रोक लगाई गई है, तो हर वर्ष वार्षिक फीस वसूली का क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की नीतियां अभिभावकों के हितों के विपरीत हैं और इन पर तत्काल पुनर्विचार किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकांश निजी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) का सही ढंग से पालन नहीं हो रहा है, जो नियमों की खुली अनदेखी को दर्शाता है।

अमित कपूर ने आगे कहा कि निजी स्कूल अभिभावकों को 5 से 10 हजार रुपये तक की महंगी किताबें खरीदने के लिए चुनिंदा दुकानों पर भेजते हैं, जबकि एनसीईआरटी की किताबें सस्ती और सुलभ होती हैं। स्कूलों द्वारा अपनी मनमर्जी से पाठ्य सामग्री तय करने के कारण अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

उन्होंने सभी विधायकों से मांग की कि इस गंभीर मुद्दे को विधानसभा में उठाकर प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

दो विधायकों का क्षेत्र, फिर भी पुल नहीं – जान जोखिम में डालकर सफर को मजबूर ग्रामीण

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन : सीमा क्षेत्र के गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनी हुई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह इलाका दो विधायकों के अंतर्गत आता है, इसके बावजूद यहां आने–जाने के लिए कोई पुल नहीं बनाया गया है।

बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं। गांव के लोगों को मजबूर होकर गहरे पानी से होकर दूसरे गांव तक जाना पड़ता है। तेज बहाव के बीच गुजरना हर समय हादसे का खतरा पैदा करता है।

सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को होती है। कई बार माता–पिता अपने बच्चों को गोद में उठाकर नाले को पार कराते नजर आते हैं, जो बेहद चिंताजनक स्थिति है और प्रशासन की लापरवाही को दिखाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यहां छोटी पुलियां बना दी जाएं, तो बाइक और कार आसानी से गुजर सकती हैं और उनकी बड़ी समस्या हल हो सकती है। उन्होंने बताया कि किसी के बीमार होने पर इलाज के लिए करीब 3 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है, जबकि पुल बनने पर यह दूरी सिर्फ 2 मिनट में तय हो सकती है।

ग्रामीणों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भारी नाराजगी है। उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से मांग की है कि जल्द से जल्द पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को हर रोज अपनी जान जोखिम में डालकर सफर न करना पड़े।

पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटे जेडीयू कार्यकर्ता : जी.एम. शाहीन

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जी एम शाहीन , अध्यक्ष जानता दल यूनाइटेड (जेडीयू) जम्मू–कश्मीर ने पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनावों के लिए अभी से तैयारी शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव गांव स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने का बड़ा मौका है। इसलिए हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए।

शाहीन ने कार्यकर्ताओं से गांव–गांव जाकर लोगों से जुड़ने, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने और ईमानदार व सक्रिय उम्मीदवारों की पहचान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव जनता के भरोसे की परीक्षा होते हैं, इसलिए पार्टी को पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग ईमानदार और जवाबदेह नेतृत्व चाहते हैं, ऐसे में जेडीयू को एक मजबूत विकल्प बनकर सामने आना चाहिए।

अंत में उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर काम करने और पंचायत चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

7 अप्रैल को श्री गुरू नाभा दास जी की भव्य शोभायात्रा, 8 अप्रैल को सत्संग एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम

राम सिंह

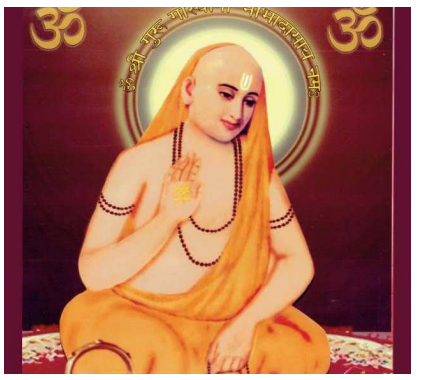

गुरदासपुर : श्री गुरु नाभा दास महाराज जी की भव्य शोभायात्रा 7 अप्रैल को शिरोमणि मंदिर, गांव हल्ला से निकाली जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे पूजा–अर्चना, लंगर प्रसाद ग्रहण और सम्मान समारोह के साथ होगी।

इसके बाद शोभायात्रा में मैडम अरुणा चौधरी, अन्य नेताओं, संत–महात्माओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी रहेगी। यह यात्रा महा समिति के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, सरपरस्त, प्रधान, सीनियर वाइस प्रधान, जनरल सेक्रेटरी और शहरी कमेटी के नेतृत्व में निकाली जाएगी।

शोभायात्रा बैंड–बाजों और श्रद्धा के साथ गुरु नाभा दास जी का गुणगान करते हुए गुरदासपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी। यह यात्रा गांव लितर, बाबोवाल और बग्गा अकैडमी होते हुए शाम करीब 5 बजे पुनः शिरोमणि मंदिर, गांव हल्ला में ही समाप्त होगी।

कार्यक्रम के दौरान सुबह से शाम तक अटूट लंगर जारी रहेगा। वहीं, 8 अप्रैल को गुरु नाभा दास जी के जन्मोत्सव के अवसर पर शिरोमणि मंदिर, गांव हल्ला में सत्संग और विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

सुरनकोट एम.ई.एस में बदहाल सड़कें, लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का लगाया आरोप

सबका जम्मू कश्मीर

सुरनकोट : सुरनकोट एम.ई.एस क्षेत्र में सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह–जगह गहरे गड्ढे हैं और कीचड़ व पानी भर जाने के कारण वाहनों तथा पैदल चलने वालों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभागों ने अब तक इसके सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। लोगों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे गंभीर लापरवाही करार दिया है।

बारिश के दौरान स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है, जब गड्ढों में पानी भर जाने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

इस कारण स्कूली बच्चों, मरीजों और रोजाना यात्रा करने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क के निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है।

जिला पुलिस पुंछ ने 'भारत दर्शन' यात्रा को दिखाई हरी झंडी, युवाओं को मिलेगा देश देखने का मौका

राजेश कुमार

पुंछ : पुंछ पुलिस ने मंगलवार को 'भारत दर्शन' यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश की समृद्ध संस्कृति, इतिहास और विभिन्न परंपराओं से परिचित कराना है, ताकि उनमें राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समझ को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। प्रा. के अनुसार यह पहल युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर अति. पु. अधीक्षक पुंछ मोहन लाल शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों के साथ यात्रा को औपचारिक रूप से रवाना किया। कार्यक्रम में डीएसपी मुख्यालय, डीएसपी डीएआर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें इस यात्रा का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि यह उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण अनुभव साबित होगा।

उन्होंने बताया कि इस दौरान युवाओं को देश के विभिन्न शहरों और महत्वपूर्ण स्थानों को देखने तथा वहां की जीवनशैली और सांस्कृतिक विविधता को समझने का अवसर मिलेगा। इस तरह की पहल से युवाओं में जागरूकता बढ़ेगी और उनमें देश के प्रति जुड़ाव और जिम्मेदारी की भावना मजबूत होगी।

प्रा. ने आशा जताई कि प्रतिभागी इस यात्रा से लौटकर अपने अनुभव दूसरों के साथ साझा करेंगे और समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएंगे।

रामनवमी पर मां बाला सुंदरी नगरी में हवन–यज्ञ, विश्व शांति के लिए दी गई आहुतियां

सबका जम्मू कश्मीर

कस्बा नगरी : रामनवमी के पावन अवसर पर कस्बा नगरी स्थित मां बाला सुंदरी मंदिर में हवन–यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रों के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर महामाई के दरबार में विश्व शांति और सुख–समृद्धि की कामना की।

हवन–यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालकर अपने परिवार और समाज के कल्याण की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा और भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मंदिर के पुजारी संजीव पुरी ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल लोग अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर यहां माथा टेकने आते हैं। नवरात्रों के अंतिम दिन विशेष रूप से हवन–यज्ञ का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

उन्होंने प्रशासन और पुलिस प्रशासन का धन्यवाद करते हुए कहा कि नवरात्रों के दौरान सात दिनों तक चलने वाली पूजा–अर्चना में प्रशासन का पूरा सहयोग मिलता है। साथ ही, मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करते हैं। इस अवसर पर लंगर का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पुजारी ने बताया कि महामाई के आशीर्वाद से हर श्रद्धालु की मनोकामना पूर्ण होती है, इसी विश्वास के साथ लोग हर वर्ष यहां पहुंचते हैं।

कठुआ में 10.34 ग्राम हेरोइन के साथ दो युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हेरोइन जैसे नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लगभग 10.34 ग्राम नशीला पदार्थ और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, 27 मार्च को गुप्त सूचना के आधार पर थाना कठुआ की टीम ने इलाके में गश्त के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका। तलाशी लेने पर दोनों युवकों के पास से हेरोइन बरामद हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगिंदर सिंह और रोहित सिंह, दोनों निवासी कठुआ के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके पर ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया और बाइक को भी जब्त कर लिया।

इस मामले में थाना कठुआ में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

01 अप्रैल तक 18 वर्ष के युवा पंचायत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं

सबका जम्मू कश्मीर

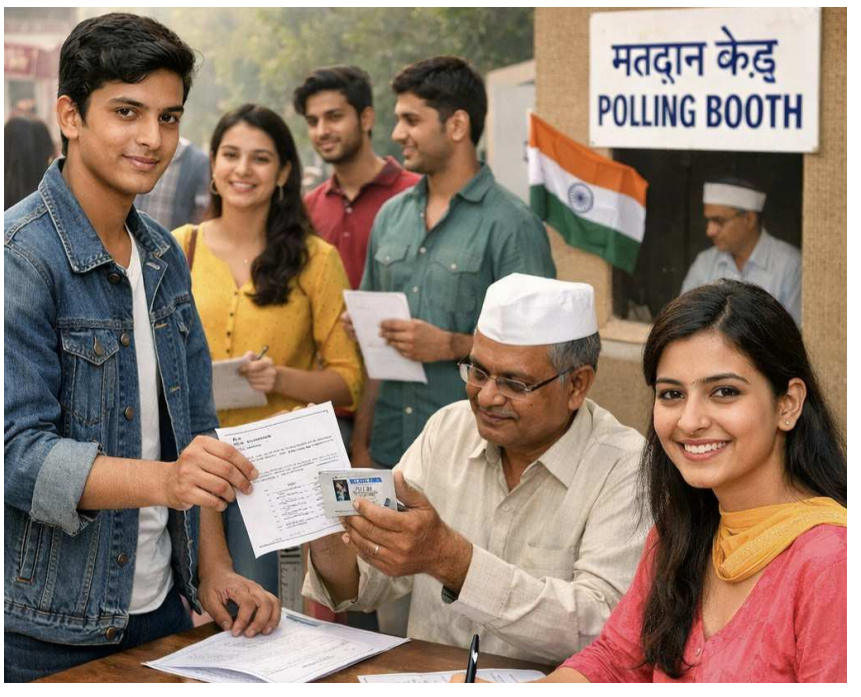

कठुआ : पंचायत चुनाव 2026 को ध्यान में रखते हुए प्रा. ने पात्र युवाओं से अपील की है कि जो 01 अप्रैल 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे पंचायत मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। प्रा. का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी आवश्यक है, इसलिए सभी पात्र नागरिक समय रहते पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें।

इसके साथ ही मौजूदा मतदाताओं को भी अपने विवरण की जांच करने और आवश्यकता अनुसार उसमें सुधार, अद्यतन या स्थान परिवर्तन कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। इसके लिए मतदाता अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर या पंचायत सचिव से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। प्रा. द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि मतदाता सूची में सही जानकारी होना निष्पक्ष और सुचारु चुनाव के लिए अत्यंत जरूरी है।

प्रा. ने आम जनता से अपील करते हुए कहा है कि वे इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अन्य लोगों को भी जागरूक करें। हर मत की अपनी अहमियत होती है और यह नागरिकों के अधिकार के साथ–साथ कर्तव्य भी है। इसलिए सभी योग्य नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में योगदान दें।

लखनपुर बनेगा आकर्षक प्रवेश द्वार, डीसी ने विकास कार्यों की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने लखनपुर कॉरिडोर का दौरा कर वहां होने वाले विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले के इस मुख्य प्रवेश द्वार को सुंदर और सुविधाजनक बनाया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान डीसी ने पुराने राज्य कर भवन और खाली पड़ी इमारतों को उपयोग में लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन इमारतों को सुधार कर लोगों के काम आने लायक बनाया जाए। पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देश दिए गए कि वह एक अच्छी योजना तैयार करे, जिसमें इमारतों की मरम्मत, साफ–सफाई, हरियाली और लोगों के लिए जरूरी सुविधाएं शामिल हों। डीसी ने कहा कि लखनपुर में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर की जाए और आने–जाने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए।

उन्होंने लखनपुर पुल के पास प्रस्तावित वेलकम गेट का भी निरीक्षण किया और अधिक. ारियों को आकर्षक डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि लखनपुर को जम्मू–कश्मीर का मॉडल प्रवेश द्वार बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर काम करें और समय पर कार्य पूरा करें।

प्रख्यात मूर्तिकार गणेश शर्मा को 'शाडंग' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मिला आमंत्रण

3 से 5 अप्रैल तक नई दिल्ली में होगा आयोजन, देशभर के चुनिंदा कलाकार लेंगे हिस्सा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के जाने–माने मूर्तिकार गणेश कुमार शर्मा को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली "शाडंग" राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह प्रदर्शनी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक गांधी स्मृति दर्शन आर्ट गैलरी, राजघाट में आयोजित होगी।

इसमें देशभर के चुनिंदा और वरिष्ठ कलाकार हिस्सा लेंगे।

इस प्रदर्शनी का आयोजन कला कुंज फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है, जबकि इसका संचालन प्रसिद्ध कलाकार रजनी शर्मा कर रही हैं। तीन दिन तक चलने वाले इस कला महोत्सव में वर्कशॉप, लाइव परफॉर्मेंस और शिल्प प्रदर्शन भी होंगे।

करीब 45 वर्षों के अनुभव वाले गणेश कुमार शर्मा अपनी बेहतरीन मूर्तियों के लिए जाने जाते हैं। वे लकड़ी, पत्थर, संगमरमर और धातु से आकर्षक कलाकृतियां बनाते हैं। उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

शहीद दिवस पर अनोखी पहल : बाढ़ प्रभावित सैनिक परिवारों को मिली आर्थिक मदद

सबका जम्मू कश्मीर

फिरोजपुर/पंजाब : शहीद दिवस के अवसर पर सपोर्ट अवर हीरोज संस्था ने पंजाब के फिरोजपुर में बाढ़ से प्रभावित पूर्व सैनिकों के परिवारों की मदद कर मानवता का उदाहरण पेश किया।

संस्था की टीम ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को कुल ₹2,40,000 की आर्थिक सहायता दी। इस मदद से परिवारों को राहत के साथ नई उम्मीद भी मिली। यह सहायता संस्था के पदा. धिकारियों द्वारा पूर्व सैनिकों की मौजूदगी में सौंपी गई, जिससे कार्यक्रम को सम्मानजनक माहौल मिला।

इन परिवारों को मिली सहायता :

रू 1,25,000 – एक बुजुर्ग पूर्व सैनिक को, जो कठिन परिस्थितियों में अपने दिव्यांग बेटे की देखभाल कर रहे हैं।

रू 65,000 – एक शहीद सैनिक की पत्नी को, जो साहस के साथ परिवार संभाल रही हैं।

रू 50,000 – एक अन्य पूर्व सैनिक परिवार को, जिनका घर बाढ़ में प्रभावित हुआ।

संस्था ने इससे पहले भी दिवाली के मौके पर कई सैनिक परिवारों को आर्थिक मदद दी थी, ताकि उनके घरों में खुशियां लौट सकें।

इसके अलावा एक अन्य पूर्व सैनिक और एक जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी के लिए भी आर्थिक सहायता दी गई। संस्था का कहना है कि शहीद दिवस सिर्फ याद करने का दिन नहीं, बल्कि उनके परिवारों की जिम्मेदारी निभाने का भी दिन है।

प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना पर बवाल : बैंक कर्मचारियों का देशभर में जोरदार विरोध, बातचीत से समाधान की मांग

सबका जम्मू कश्मीर

दिल्ली : देशभर में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने नई प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के खिलाफ जोरदार विरोध जताया है। संयुक्त बैंक यूनियन मंच के अनुसार, यह विरोध कर्मचारियों की बढ़ती नाराजगी का नतीजा है, क्योंकि इस योजना को बिना आपसी सहमति के लागू करने की कोशिश की जा रही है।

यूनियन का कहना है कि पहले जो प्रोत्साहन योजना थी, वह सभी कर्मचारियों के लिए समान थी और पूरे बैंक के सामूहिक कामकाज पर आधारित थी। लेकिन नई योजना में अधिकारियों के बीच अलग–अलग श्रेणियां बनाई जा रही हैं, जिससे भेदभाव बढ़ेगा और कर्मचारियों की एकता कमजोर होगी। संगठन ने यह भी बताया कि यह मामला अभी मुख्य श्रम आयुक्त के पास सुलह प्रक्रिया में चल रहा है। ऐसे समय में सरकार या बैंक प्रबंधन द्वारा कोई भी एकतरफा फैसला लेना नियमों के खिलाफ है। संयुक्त बैंक यूनियन मंच ने सरकार, भारतीय बैंक संघ और सभी बैंकों से अपील की है कि वे इस फैसले को तुरंत रोकें और बातचीत के जरिए समाधान निकालें। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ, तो हालात बिगड़ सकते हैं, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित पक्षों की होगी।

भल्लाड़ वन क्षेत्र में साहित्यिक गोष्ठी आयोजित, कविताओं और गीतों से सजा माहौल

राम सिंह

भल्लाड़ (ज्वाली) : तहसील ज्वाली के भल्लाड़ वन क्षेत्र में धौलाधार साहित्य कला मंच के बैनर तले एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों और कलाकारों ने भाग लेकर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

इस अवसर पर एसडीएम सलीम आजम, साहित्यकार पंकज दर्शी, रमेश मस्ताना, कहानीकार विजय उपाध्याय, डॉ अशोक सोमल, कर्नल सुदेश सिंह, कवि सुरेश श्रेयस, पूर्ण सिंह, गायक राम सिंह, तारा सिंह पठानिया और सेवा. निवृत्त प्रधानाचार्य हरवंत सिंह ने अपनी–अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्यिक संवाद में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान सुरेश श्रेयस की पहाड़ी गजल "टपरू", रमेश मस्ताना की रचना "घड़ोतें", पंकज दर्शी की गजल "तू ही तू है", सलीम आजम की हिंदी कविता, विजय उपाध्याय की कहानी "पोस्टकार्ड" और राम सिंह के पंजाबी टप्पों ने माहौल को साहित्यिक और संगीतमय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में अगली साहित्यिक परिचर्चा राजा का तालाब स्थित कोटे वाली माता मंदिर में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसका आयोजन पंकज दर्शी द्वारा किया जाएगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ में पंचायत वोटर लिस्ट अपडेट की तैयारी तेज, डीसी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : कठुआ के उपायुक्त और जिला चुनाव अधिकारी राजेश शर्मा ने पंचायत ई–रोल्स 2026 के संशोधन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई।

डीसी ने कहा कि वोटर लिस्ट पूरी तरह सही, पारदर्शी और सभी लोगों को शामिल करने वाली होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव आयोग के नियमों और तय समय–सीमा का पालन करने के निर्देश दिए।

बैठक में मतदान केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं, फॉर्म भरने और जांच प्रक्रिया, और लोगों को वोट के प्रति जागरूक करने पर चर्चा हुई। साथ ही, डुप्लीकेट नाम हटाने और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने पर जोर दिया गया।

डीसी ने निर्देश दिए कि घर–घर सर्वे कर वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी दावे और आपत्तियां समय पर और नियमों के अनुसार निपटाई जाएं।

लोगों की सुविधा के लिए शनिवार और रविवार को विशेष कैंप भी लगाए जाएंगे, जहां फॉर्म जमा किए जा सकेंगे। इन कैंपों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए गए।

डीसी ने सभी अधिकारियों से मिलकर जिम्मेदारी के साथ काम करने को कहा, ताकि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और बिना किसी गलती के पूरी हो सके।

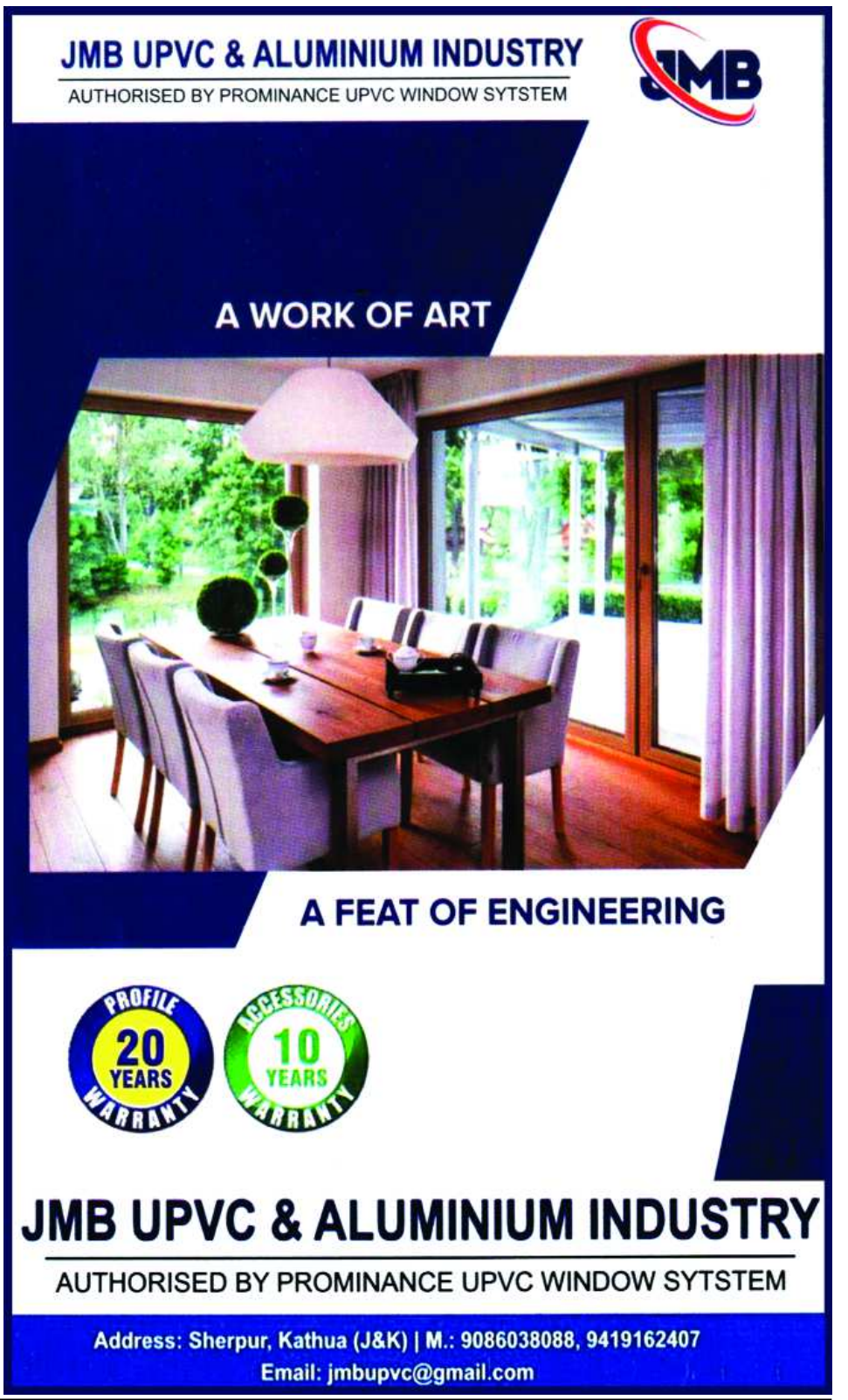

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नंः 184151 । संपादकः राज कुमार